04 - अरविंद केजरीवाल का संघ प्रमुख से प्रश्न

05 - गांधी : व्यक्ति नहीं, एक विचार

A Daily News Magazine

भोपाल

शनिवार, 05 अक्टूबर, 2024

06 - अतिशेष शिक्षकों ने काउंसलिंग का किया बहिष्कार, जिले में ही...

07- आजादी के अमृतकाल में रानी दुर्गावती के विचारों...

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-38 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

प्रशांत किशोरः गांधी, आंबेडकर के सहारे बिहार में बनेगी बात?

सीटू तिवारी

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने अपनी पार्टी जनसुराज लॉन्च कर दी है। बिहार की राजधानी पटना में दो अक्टूबर को अपनी पार्टी लॉन्च करते हुए प्रशांत किशोर ने पांच वादे किए। प्रशांत किशोर ने पार्टी का पहला कार्यवाहक अध्यक्ष मनोज भारती को बनाया है। 'जनसुराज पार्टी' लॉन्च होने के बाद बिहार में राजनीतिक बयानबाज़ी भी तेज़ हो गई है।

पर सवाल ये है कि आख़िर प्रशांत किशोर की नई पार्टी के वादे क्या हैं? पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष कौन हैं और इस पूरी सियासी घटना के मायने क्या हैं?

पार्टी के 'पांच वादे' करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, पार्टी सत्ता में आई तो ये काम होंगे। जनसुराज देश का पहला ऐसा दल है जो राइट टू रिकॉल लागू करेगा। हमारे दल में जनता ही अपने उम्मीदवारों का चयन करेगी।

मनोज भारती का नाम कार्यवाहक अध्यक्ष के तौर पर घोषित करते हुए प्रशांत किशोर ने उनको 'खुद से भी ज्यादा काबिल' बताया। मेज बिहार के मधुबनी ज़िले में पैदा हुए मनोज भारती रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी हैं। वो अनुसूचित जाति से आते हैं। उनकी शुरुआती पढ़ाई जमुई के एक सरकारी स्कूल में और बाद में नेतरहाट से हुई है. उनकी उच्च शिक्षा आईआईटी कानपुर और दिल्ली से हुई। आईआईटी दिल्ली से पढ़ाई करते हुए उनका चयन भारतीय विदेश सेवा में हुआ। वो चार देशों में भारत के राजदूत रहे हैं।

लेकिन मनोज भारती राजनीतिक गलियारों में नया नाम हैं। वरिष्ठ पत्रकार फैजान अहमद कहते हैं, प्रशांत किशोर ने अपने कहे मुताबिक एक दलित चेहरे को अध्यक्ष बना दिया है, लेकिन पार्टी चलाने के लिए नेता होना जरूरी है, जो मनोज भारती नहीं हैं। वो पढ़े लिखे हैं लेकिन पॉलिटिक्स में क्या कर पाएंगे, ये देखना होगा।÷ पार्टी लॉन्च करने के दौरान प्रशांत किशोर ने बताया कि जनसुराज ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के साथ साथ संविधान निर्माता बी. आर. आंबेडकर की तस्वीर वाले झंडे का आधिकारिक आवेदन चुनाव आयोग में दिया है।

ऐसे में ये सवाल अहम है कि बीते दो साल से महात्मा गांधी की तस्वीर के साथ जनसुराज अभियान चला रहे प्रशांत किशोर ने आंबेडकर को अपने झंडे में जगह क्यों दी? बीजेपी के राष्ट्रीय अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष संजय पासवान इस कदम को 'वर्तमान समय की आवश्यकता' बताते हैं। वो कहते हैं, ÷पीके ने महात्मा गांधी और आंबेडकर को एक साथ लाकर नई पॉलिटिक्स की है। उनकी तैयारी बहुत लॉजिकल है। वो सत्तासीन पार्टियों के लिए ख़तरा साबित होंगे। अभी पार्टियां मध्यवर्ती जातियों पर फोकस कर रही हैं और इस बीच पीके ने एक दलित को अध्यक्ष बनाकर बहुत हिम्मत का काम किया है।

प्रशांत किशोर की राजनीति को पहले ही पॉलिटिकल थिंकर्स 'डीईएम' यानी दलित, अति पिछड़ा और मुसलमान, केंद्रित बता रहे हैं। बिहार में हुई जातिगत गणना में दलितों की आबादी 19.65 फ़ीसदी, अति पिछड़े 36.01 फ़ीसदी और मुस्लिम 17.70 फ़ीसदी हैं।

पूर्व डीजी होमगार्ड और जनसुराज के संस्थापक सदस्यों में से एक राकेश कुमार मिश्र कहते हैं, आज की राजनीति में हमारी लड़ाई धर्म आधारित राजनीति करने वालों से है। मुख्य तौर पर बीजेपी से। धर्म आधारित राजनीति ने हमारे राजनीतिक पूर्वजों को अपने फायदे के लिए अलग कर दिया है, लेकिन हम दोनों को एक ही झंडे में लाकर गांधीवादियों और आंबेडकरवादियों को एक होने का संदेश देना चाहते हैं।÷

लेकिन पार्टी बनने की पूरी प्रक्रिया में सबसे ज्यादा अहम प्रशांत किशोर ने पार्टी में खुद को 'बैकस्टेज या नेपथ्य' में रखा है। पार्टी लांच करने से पहले एक न्यूज एजेंसी से बातचीत में उन्होंने कहा, 'पार्टी बनने के बाद जो काम मैं पिछले दो साल से कर रहा हूं, वही काम आगे करता रहूंगा। मैं अभी अररिया -सुपौल इलाके की यात्रा कर रहा था। दो- तीन दिन बाद उसी इलाके में वापस जाकर यात्रा करूंगा। जब तक लोगों को जागरुक नहीं करूंगा, मेरी यात्रा जारी रहेगी।'

प्रशांत किशोर खुद को 'बैकस्टेज' में क्यों रख रहे हैं? इस सवाल पर जनसुराज के राकेश कुमार मिश्रा कहते हैं, प्रशांत बैकस्टेज में नहीं कोर में हैं। हमारी पार्टी का काम करने का पैटर्न बिल्कुल अलग है। हमारे काम को दो स्तरों पर देखिए। पहला जनसुराज अभियान जिसका मुख्य काम बिहार की जनता को जागरुक करना है। दूसरा है संगठन, जिसका दायित्व मनोज भारती जी को दिया गया है। जनसुराज अभियान का काम हमारी आत्मा, हमारी वैचारिक जमीन को लीड तो प्रशांत ही कर रहे हैं।

हालांकि, वरिष्ठ पत्रकार फैजान अहमद इसे जाति के संदर्भ से देखते हैं। वो कहते हैं, 'बिहार में चुनाव अभी एक साल दूर है। इसलिए अभी पीके को अपना चेहरा दिखाने की बहुत ज़रूरत नहीं है। प्रशांत किशोर ब्राह्मण हैं, इसलिए भी उन्होंने खुद को पीछे और एक दलित चेहरे को सामने रखा है।' कांशीराम ने भी मायावती को आगे रखा था।

वरिष्ठ पत्रकार अरविंद शर्मा कहते हैं कि बिहार में दलित आबादी में से पासवान जाति के नेता चिराग पासवान हैं, इसलिए पीके दलित मुस्लिम कॉम्बिनेशन पर काम कर रहे हैं। नीतीश कुमार के स्वास्थ्य, बीजेपी का चेहरा विहीन होना और राजद का लालू के साए से ना निकल पाने के चलते बिहार में एक पॉलिटिकल वैक्यूम है। ऐसे में पीके की पार्टी लॉन्च करने की टाइमिंग परफेक्ट है।

'कंट्रीब्यूशन ऑफ महादलित इन डेवलेपमेंट ऑफ बिहार इकोनॉमी' के लेखक और वरिष्ठ पत्रकार अरुण श्रीवास्तव प्रशांत किशोर के लिए 'कंफ्यूज्ड' शब्द का इस्तेमाल करते हैं। वो कहते है, पीके का कद बहुत बढ़ा चढ़ाकर मीडिया प्रोजेक्ट कर रही है। जबकि अभी उन्हें पॉलिटिकल इकोनॉमी की भी ठीक समझ नहीं है।

जनसुराज पार्टी लॉन्च होने के बाद राजनीतिक बयानबाज़ी भी तेज हो गई है। जेडीयू प्रवक्ता अरविंद निषाद कहते हैं, पीके राजनीतिक रूप से किशोर हैं। ये दलितों को आगे करके अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहे हैं। उनकी पार्टी लॉन्च हुई दो अक्टूबर को, जिस दिन पूरे देश में शराब की दुकानों को बंद रखा जाता है, उसी दिन ये शराबबंदी खत्म करने की घोषणा कर रहे हैं। वहीं राजद प्रवक्ता चितरंजन गगन कहते हैं, बीजेपी ने इनको राजद को डैमेज करने के लिए लॉन्च किया है, लेकिन ये बीजेपी के लिए ही आत्मघाती साबित होंगे।

प्रशांत किशोर की चुनावी सफलता भविष्य के गर्भ में है। लेकिन प्रशांत किशोर बीते दो सालों से बिहार की राजनीति में हलचल पैदा कर रहे हैं। देखना होगा कि वो अपने इस 'मोमेंटम' को कितना बरकरार रखते हुए उसे चुनावी सफलता में तब्दील कर पाते हैं।

(बीबीसी हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

ईरान और इजरायल के बीच अब 'पुल' बनेगा भारत!

नेतन्याहू ने दिल्ली के जरिए खामेनेई तक पहुंचाया मैसेज,राजदूत का खुलासा

तेहरान (एजेंसी)। इजरायल ने भारत के जरिए से ईरान को मैसेज भेजा है, इस मैसेज में तेहरान से संयम और सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। भारत में इजरायल के राजदूत रुबिन रूबेन अजहर ने बताया है इजरायल ने जिन देशों के जरिए ईरान को संदेश भेजा है, उनमें भारत भी है। उन्होंने कहा कि ईरान के हालिया हमले तनाव को बढ़ाने वाले हैं, ऐसे में हमने उनको चेताया है। फर्स्ट पोस्ट के साथ

एक इंटरव्यू में रुबिन ने ये बात कही है। फर्स्ट पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, रुबिन ने कहा कि हमने भारत समेत कई देशों के जरिए संदेश भेजे है। हमने ईरान से कहा है कि उन्हें इजरायल पर हमला नहीं करना चाहिए क्योंकि इसकी उसे बहुत बड़ी कीमत चुकान होगी। इजरायली राजदूत के इस बयान से माना जा रहा है कि संघर्ष को कम करने में भारत की भूमिका अहम हो सकती है। भारत के ईरान और इजरायल दोनों से सामान्य संबंध हैं। रुबिन ने आगे कहा, इजरायल लंबे समय से ईरान के हमले झेल रहा है, ये हमले तेहरान की इजरायल को खत्म करने की विचारधारा से प्रेरित है।

पाकिस्तान के दौरे पर जाएंगे विदेश मंत्री एस जयशंकर

एससीओ की बैठक में होंगे शामिल, 2014 के बाद होगा पहला दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच काफी लंबे समय से रिश्ते खत्म हैं और तनातनी का सिलसिला जारी है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। विदेश मंत्री एस जयशंकर पाकिस्तान जाएंगे। यहां वह एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) की बैठक में शामिल होंगे। 15-16 अक्टूबर को इस्लामाबाद में बैठक होगी। 2014 के बाद यह पहली बार होगा जब कोई भारतीय मंत्री पाकिस्तान जाएगा। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर

9 साल बाद पाकिस्तान जाएंगे। एससीओ के काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट की बैठक में जयशंकर हिस्सा लेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यह जानकारी दी। पाकिस्तान ने 29 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बैठक का न्योता दिया था। पाकिस्तान के विदेश विभाग की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा था, बैठक में भाग लेने के लिए सभी सदस्य देशों के प्रमुखों को निमंत्रण भेजा गया है।

युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में धकेलाना चाहती है कांग्रेस

अमित शाह का बड़ा आरोप,कांग्रेस पार्टी की मंशा पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पकड़े गए 5,600 करोड़ रुपये के ड्रग्स के कांग्रेस कनेक्शन पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। शाह ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की दुनिया में ले जाना चाहती है। अमित शाह ने दावा किया कि उनकी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर नशा मुक्त भारत बनाएगी।

वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी का 5वां वार्षिक दीक्षांत समारोह सम्पन्न

विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। मात्र पाठ्यक्रम तक सीमित रहने वालों को शिक्षक कहा जा सकता है, परंतु जो विद्यार्थी के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास पर ध्यान देते हैं, उन्हें सम्मानपूर्वक गुरु का संबोधन प्राप्त होता है। विश्वविद्यालय, विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक वातावरण, सुविधा और मार्गदर्शन उपलब्ध कराते हैं, इसलिये प्रदेश के विश्वविद्यालय के कुलपति को कुलगुरु का संबोधन प्रदान किया गया है, जो भारतीय परंपरा के अनुकूल है। शैक्षणिक संस्थाओं का उत्साह से भरपूर वातावरण और दीक्षांत समारोह की गरिमा विद्यार्थियों में आत्म-विश्वास का संचार करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कोठरीकलां जिला सीहोर में वीआईटी भोपाल यूनिवर्सिटी के 5वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर में महिला छात्रावास ब्लॉक-2 एवं पुरूष छात्रावास ब्लॉक-6 का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों में से एक है। यहां प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का प्लेसमेंट सुनिश्चित है। यहाँ भोपाल सहित अमरावती, वेल्लोर, तमिलनाडु के विश्वविद्यालय भारतीय युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं, जो प्रधानमंत्री श्री मोदी की दूरदर्शिता के अनुरूप है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में देश आत्मविश्वास के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के जननायक प्रधानमंत्री श्री मोदी ने विश्व में भारत की साख को स्थापित किया है। उनका स्वयं का नीर क्षीर जीवन देश को समर्पित है, वे एक-एक पल देश के विकास और जन-कल्याण के लिए सक्रिय हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी, अद्यतन तकनीक का उपयोग करते हुए देश की युवा पीढ़ी को वैश्विक मानकों के अनुरूप कदम से कदम मिलाकर चलने में सक्षम बनाने के लक्ष्य को समर्पित हैं। उनकी मंशा और भावना के अनुरूप वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

आज बैंक अकाउंट में आएगी लाड़ली बहना योजना की किस्त

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की किस्त इस बार नवरात्र और दशहरा त्योहार को देखते हुए पहले ही जारी की जा रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की किस्त इस बार 5 अक्टूबर शनिवार को 1.29 करोड़ बहनों के खाते में आ जाएगी। सीएम डॉ. मोहन यादव दमोह जिले के लिए सिंग्रामपुर में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन कार्यक्रम से सिंगल क्लिक से खाते में 1250 रुपये भेजेंगे। नवरात्र और दशहरे के त्योहार को देखते हुए लाड़ली बहना योजना की किस्त इस बार जल्दी जारी की जा रही है।

सुप्रभात

बैठा हुआ था कवि राजेश जोशी के घर
एकाएक लगा
किसी ने थपथपाया दरवाज़ा
उठ ही रहा था दरवाज़ा खोलने को
कि रोक लिया राजेश जोशी ने और कहा-
वापस बैठ जा!
और कह रहे हों जैसे-
कोई आया है इस तरह भी
हवा दरवाज़ा थपथपाती है
अकसर
पसरा रहता है घर-घर गली-मोहल्लों में शून्य
सन्नाटों में साँस-साँस जूझता जीवन
तब असंख्य साँस और जीवन का भरपूर
अहसास लिए
दरवाज़ों को थपथपाता है
कोई झोंका हवा का

- वसंत सकरगाए

- नालियों में बहा पेट्रोल-डीजल
- महिलाएं बाल्टी लेकर लूटने पहुंची

रतलाम रेल हादसे में फ्यूल से भरी ट्रेन पटरी से उतरी

रतलाम (एजेंसी)। पश्चिमी रेलवे के रतलाम डिवीजन में पेट्रोलियम उत्पादों से भरी एक मालगाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतर गए। इसके चलते 12 घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। वहीं कुछ लोगों ने इस मौके का भरपूर फायदा उठाया। सोशल मीडिया पर ऐसे ही तेजस्वी लोगों के वीडियो जमकर वायरल हो रहे हैं। जैसे ही वैगन डिरेल हुए उनमें लीक हो गया। जिससे प्यूल बहकर नालियों में जमा हो गया। फिर क्या था मौका परस्त भीड़ पेट्रोल-डीजल को देखकर उस पर टूट पड़ी। जिसके हाथ में जो आया चाहे बाल्टी हो, टंकी हो या पानी भरने का कैंपर लेकर नाली के पास पहुंच गए।

भीड़ ने कतार बनाकर नालियों में हाथ डालकर डालकर डिब्बों से फ्यूल भरना शुरू कर दिया। इसे लेकर सोशल मीडिया पर वीडियो भी सामने आए हैं। जिनमें हर उम्र के लोग बढ़ चढ़कर फ्यूल लूट रहे हैं। महिलाएं भी बड़े बड़े बाल्टी लेकर पेट्रोल

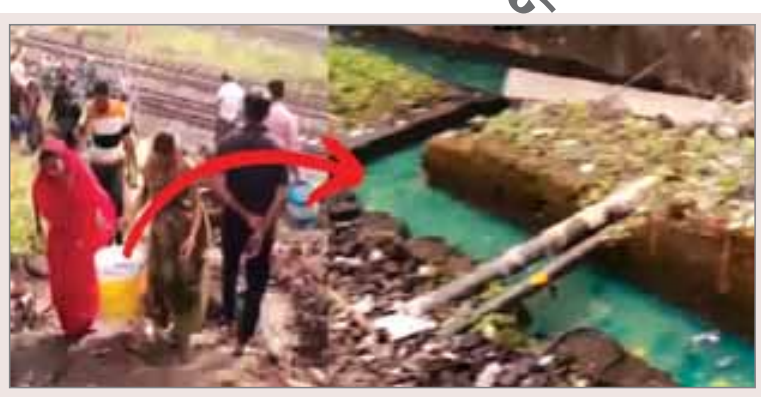

डीजल को घर ले जाती हुई दिख रही हैं। इस घटना के बाद रेलगाड़ियों की आवाजाही शुक्रवार को बहाल कर दी गई। अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे रेल यातायात बहाल कर दिया गया। मालगाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतरने के कारण रेल यातायात बाधित हो गया था।

14 से 15 ट्रेनों के समय पर असर पड़ा था। दिल्ली-मुंबई रूट पर रेलवे यार्ड के पास गुरुवार रात पेट्रोलियम उत्पादों से भरी एक मालगाड़ी के तीन वैगन पटरी से उतर गए। अधिकारियों के अनुसार वैगन राजकोट से भोपाल के पास बकानिया-भौरी जा रहे थे। ये रात 10 बजे रतलाम रेलवे स्टेशन से करीब एक किलोमीटर दूर ई केबिन के पास पटरी से उतर गए।

जनसंपर्क अधिकारी खेमराज मीना ने बताया कि रतलाम के डिवीजनल रेलवे मैनेजर यानि डीआरएम रजनीश कुमार ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि उज्जैन और कोटा जाने वाली ट्रेनों के लिए डाउन लाइन पर यातायात बहाल कर दिया गया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c | न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ शनिवार, 05 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

मेट्रो-सुविधा और रोड नेटवर्क के लिये अरेरा हिल्स क्षेत्र के विकास की बनायें योजना : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

ईस्टर्न बायपास परियोजना का क्रियान्वयन क्षेत्रीय निवासियों को विश्वास में लेकर करें

● सड़कों के रख–रखाव में लापरवाही के लिए 21 अधिकारियों और 173 ठेकेदारों को नोटिस जारी ● 9 ठेकेदारों को किया ब्लैक लिस्ट ● सड़क विकास निगम के तीन मार्गों पर निवेशकर्ता के टोल अधिकार वापस लिए गए ● मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं की समीक्षा

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सतपुड़ा-विंध्याचल भवन क्षेत्र सहित संपूर्ण अरेरा हिल्स क्षेत्र में कार्यालयों के लिए वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप भवनों के निर्माण के उद्देश्य से समग्रता में प्लानिंग की जाए। क्षेत्र में मेट्रो की सुविधा भी उपलब्ध होने जा रही है, साथ ही रोड नेटवर्क भी बेहतर हो रहा है। अत- कर्मचारियों व आम नागरिक की सुविधा को ध्यान में रख, कार्य स्थलों तक वॉक टू वर्क की सुविधा सुनिश्चित करते हुए क्षेत्र की अधोसंरचना विकसित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लोक निर्माण विभाग की परियोजनाओं के संबंध में मंत्रालय में बैठक ले रहे थे। बैठक में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में इंदौर की ईस्टर्न बायपास परियोजना और गड्ढा मुक्त सड़क अभियान पर भी चर्चा हुई।

लोक-पथ एप से हुई 3 हजार 652 शिकायतें निराकृत- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में ईस्टर्न बायपास परियोजना का क्रियान्वयन किसानों तथा क्षेत्र के निवासियों को विश्वास में लेकर किया जाए। क्षेत्र के विकास में स्थानीय लोगों के लाभ व हित सुनिश्चित करते हुए योजना लागू की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सड़कों रख-रखाव में अद्यतन तकनीक अपनाते हुए कार्य किया जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि 07 अगस्त से 06 सितम्बर तक प्रदेश में सड़कों की मरम्मत के लिए चलाये गये विशेष अभियान में प्रमुख अभियंता, सड़क एवं सेतु द्वारा 35 हजार 995 किलोमीटर सड़कों

पर मरम्मत की गई। आम नागरिकों द्वारा सड़कों में गड्ढों की शिकायत के लिए संचालित लोक-पथ एप में 46 हजार 516 किलोमीटर सड़कें रजिस्टर्ड हैं। गत 2 माह में एप में 3 हजार 721 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिसमें से 3 हजार 652 शिकायतें निराकृत की जा चुकी हैं।

सड़कों की स्थिति के संबंध में 15 कार्यपालन यंत्रियों को कारण बताओ सूचना पत्र और 156 ठेकेदारों को नोटिस जारी किए गए तथा 9 ठेकेदारों की 73 लाख 30 हजार रूपए की राशि राजसात कर उनका पंजीयन ब्लैक लिस्ट किया गया है। अभियान में म.प्र. सड़क विकास निगम ने ओ.एम.टी योजना के तीन मार्गों पर निवेशकर्ताओं से टोल अधिकार वापस लिए। ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्यवाही कर एक करोड़ 30 लाख रूपए से अधिक का दंड अधिरोपित किया गया। सड़क विकास निगम ने 17 ठेकेदारों और 6 अधिकारियों को मार्ग के उचित रखरखाव न करने के कारण शो-कॉज नोटिस भी जारी किए।

व्हाईट टॉपिंग से होगा सड़कों का सुधार- बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में 21 जिलों में चयनित 41 डामरीकृत सड़कों पर व्हाईट टॉपिंग कार्य का पायलेट प्रोजेक्ट लिया जा रहा है। व्हाईट टॉपिंग के अंतर्गत डामरीकृत सड़कों पर क्रांकीट की 6 से 8 इंच मोटाई का कार्य किया जाता है। बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय दुबे, प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव वित्त श्री मनीष रस्तोगी तथा विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

अतिशेष शिक्षकों की आपत्तियां फिर से सुनेगा स्कूल शिक्षा विभाग

5 से 11 अक्टूबर तक प्रस्तुत कर सकेंगे आवेदन, जेडी की देखरेख में कमेटी बनी

भोपाल (नप्र)। अतिशेष शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया से नाराज शिक्षकों के दावे-आपत्ति स्कूल शिक्षा विभाग फिर से सुनेगा। शिक्षकों से 5 से 11 अक्टूबर तक अभ्यावेदन (आपत्ति) मांगी गई हैं। संभागीय संयुक्त संचालक लोक शिक्षण की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया है, जो अभ्यावेदन का परीक्षण करेगी और संकुल प्राचार्य से दस्तावेज लेकर निर्णय लेगी। 14 से 18 अक्टूबर तक अभ्यावेदनों का निराकरण कर आदेश जारी किए जाएंगे।अतिशेष शिक्षकों के समायोजन की प्रक्रिया से शिक्षक संतुष्ट नहीं हैं। वे कई स्तर पर गड़बड़ी की शिकायत कर चुके हैं। गुरुवार को तो भोपाल में विज्ञान विषय के शिक्षकों ने जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय और लोक शिक्षण संचालनालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। ऐसे ही हालात प्रदेश के अन्य जिलों में हैं। जिसे देखते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने फिर से आपत्ति सुनने का निर्णय लिया है। संचालक ने कहा है कि काउंसिलिंग से पहले भी शिक्षकों की आपत्तियां सुनी गई हैं, फिर भी कुछ शिक्षक संतुष्ट नहीं हुए हैं और वे विभिन्न स्तर पर अपने अभ्यावेदन दे रहे हैं। ऐसे शिक्षकों को यह मौका दिया गया है।

युवक को निर्वस्त्र कर पीटा, उस पर ठंडी बियर डाली

भोपाल (नप्र)। भोपाल में एक युवक को अगवा कर मारपीट का वीडियो सामने आया है। आरोप है कि अशोका गार्डन थाने की गुंडा सूची में शामिल दीपक ठाकुर और रोहित कबाड़ी ने साथियों के साथ मिलकर युवक को गौतम नगर थाने के सामने से अगवा किया, फिर कार से इंडस्ट्रियल एरिया की बंद फैक्ट्री में ले गए। यहां उसे निर्वस्त्र कर उसके ऊपर ठंडी बियर डाली। फायरिंग कर आरोपियों ने उसे पैरों में झुकवाया।

ये घटनाक्रम 13 अगस्त का है। पीड़ित की मां ने इस मामले में एक अक्टूबर को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शिकायत की है। इससे पहले डीसीपी ऑफिस, एडिशनल डीसीपी ऑफिस में भी आरोपियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर शिकायत की जा चुकी है। लेकिन, स्रढ्ढक्र दर्ज नहीं की गई।

दोस्त की बर्थडे पार्टी में हुआ था विवाद

पीड़ित युवक का नाम गौरव मिश्रा (23) है, वह निजामउद्दीन कॉलोनी पिपलानी थाना क्षेत्र में रहता है और लेबर सप्लाई की ठेकेदारी करता है। 12 अगस्त की रात को बिलखिरिया इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट में दोस्त की जन्मदिन की पार्टी थी। यहां सभी दोस्त नाच गाना कर रहे थे। पास की टेबल पर आरोपी दीपक ठाकुर बैठा था।

दीपक ठाकुर ने शोर न करने की बात को लेकर गालियां देना शुरू कर दिया। इसी बात को लेकर मामूली कहासुनी हुई। तब दोनों पक्षों में झूमाझटकी भी हो गई। जिसकी शिकायत दीपक ठाकुर ने बिलखिरिया थाने में की थी। बताया जा रहा है कि युवक का सरेराह किया अपहरण कर लिया था।

ककड़ी खाने के बाद बच्चे की मौत, 4 बीमार

सभी एक ही परिवार के सदस्य,दो बहनें आईसीयू में भर्ती

रतलाम (नप्र)। रतलाम में बालम ककड़ी खाने के बाद एक ही परिवार के 5 लोग बीमार हो गए। इनमें से पांच साल के बच्चे की मौत हो गई। दो बच्चियां मेडिकल कॉलेज अस्पताल के आईसीयू जबकि उनकी मां जनरल वार्ड में भर्ती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि सभी को फूड पॉइजनिंग हुई थी।

मामला रतलाम के जड़वासा कलां गांव का है। यहां रहने वाले मांगीलाल पाटीदार (36) सोमवार शाम सैलाना-धामनोद रोड से बालम ककड़ी खरीदकर लाए थे। मंगलवार शाम मांगीलाल ने पत्नी कविता, बेटी दक्षिता (11), साक्षी (8) और बेटे क्रियांश (5) के साथ मिलकर बालम ककड़ी खाई। बुधवार सुबह करीब 5 बजे सभी को उल्टियां होने लगीं तो वे प्राइवेट हॉस्पिटल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने दवा देकर घर लौटा दिया। बुधवार रात 3 बजे कविता, बेटी दक्षिता, साक्षी और बेटे क्रियांश को फिर उल्टियां होने लगीं। परिजन चारों को लेकर मेडिकल अस्पताल पहुंचे। यहां सुबह 4 बजे डॉक्टरों ने क्रियांश को मृत घोषित कर दिया।

मेडिकल स्टोर से लेकर दवा खाई थी

क्रियांश की मां कविता ने बताया कि खाना खाने के बाद ककड़ी खाई थी। उसके बाद उल्टियां हुई। हम सबसे पहले मेडिकल स्टोर से दवा लेकर आए, लेकिन असर नहीं हुआ।

क्रियांश के काका रवि पाटीदार ने बताया कि भतीजियों- दक्षिता और साक्षी को स्थिति गंभीर होने पर आईसीयू में भर्ती कराया गया है। भाभी कविता को सामान्य वार्ड में भर्ती किया है।

फूड पॉइजनिंग के बाद भर्ती कराए गए थे

रतलाम मेडिकल कॉलेज के ऐपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. गौरव बोरीवाल ने बताया कि पांचों मरीज फूड पॉइजनिंग के कारण बीमार होकर आए थे। सही इलाज मिलने में लंबा गैप होने से भी स्थिति बिगड़ी। क्रियांश का ब्लड सैम्पल लिया है, जांच करवाई जाएगी।

मेडिकल कॉलेज के अधीक्षक डॉ. विनय शर्मा ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या बच्चे की मौत फूड पॉइजनिंग से हुई है। मां और दो बेटियों को इलाज किया जा रहा है। पुलिस चौकी को इन्वेस्टिगेशन के लिए लिखकर दिया था। वहीं, पुलिस चौकी प्रभारी सुनील राघव ने बताया कि फिलहाल इस तरह का मामला नहीं आया है। जानकारी आएगी तो पड़ताल की जाएगी।

स्कूल में 9वीं के स्टूडेंट की चाकू मारकर हत्या

जबलपुर में 8वीं के छात्र ने छुट्टी के बाद किया हमला, दो दिन पहले भी दी थी धमकी

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में 9वीं के छात्र की स्कूल कैंपस में चाकू मारकर हत्या कर दी गई। स्कूल की छुट्टी होते ही 8वीं के छात्र ने उस पर हमला कर दिया। आरोपी ने दो दिन पहले भी मोबाइल पर जान से मारने की धमकी दी थी। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

वारदात जिला मुख्यालय से करीब 50 किलोमीटर दूर शहपुरा थाना क्षेत्र के नटवारा गांव में गुरुवार शाम करीब 4-30 बजे की है। लहूलुहान हालत में छात्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। यहां से जबलपुर मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया। यहां शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक छात्र की पहचान रोहित प्रजापति (16) के रूप में हुई है। 15 साल का आरोपी 8वीं में पढ़ता है।

स्कूल के ग्राउंड में खड़ा था, आरोपी ने चाकू मार दिया

शहपुरा थाना प्रभारी जितेंद्र पाटकर ने बताया, रोहित प्रजापति नटवारा गांव के सरकारी स्कूल में पढ़ता था। गुरुवार शाम 4-30 बजे स्कूल की छुट्टी हुई। सभी बच्चे घर जाने के लिए ग्राउंड में खड़े थे। इसी दौरान 8वीं में पढ़ने वाले 15 साल के लड़के ने रोहित के पेट में चाकू मार दिया। इसके बाद भाग गया। स्कूल स्टाफ मौके पर पहुंचा। पुलिस और घायल छात्र के परिजन को सूचना दी।

पुलिस ने आरोपी छात्र को गिरफ्तार किया

घायल को तुरंत शहपुरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उसे जबलपुर मेडिकल अस्पताल रेफर कर दिया। यहां उसकी मौत हो गई। परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया गया।

दो दिन पहले भी हुआ था विवाद

पुलिस के मुताबिक अभी तक की पूछताछ में पता चला है कि दो दिन पहले दोनों छात्रों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद आरोपी ने रोहित को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी दी थी।

लंच में घर से चाकू लाया था आरोपी

रोहित के साथ स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों ने पुलिस को बताया, दोपहर में दूसरे पीरियड के बाद रोहित मैदान में घूम रहा था। उसी दौरान आरोपी भी बाहर आया था। यहां दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। पास में मौजूद दोस्तों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। लंच के दौरान आरोपी स्कूल से घर पहुंचा। अपने बैग में चाकू लेकर आया। स्कूल की छुट्टी होते ही रोहित के पास पहुंचा और उसके पेट में चाकू घोंप दिया। चाकू लगते ही रोहित जमीन पर गिर गया। आरोपी ने भी भागने की कोशिश की। वहां मौजूद छात्रों ने आरोपी को पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह चाकू लहराते हुए धमकाने लगा। लोगों ने चाकू छीनकर उसे पकड़ लिया।

परिजन बोले- टीचर होते तो विवाद नहीं होता

छात्रों के परिजन का आरोप है कि स्कूल में पदस्थ तीन टीचर समय पर नहीं आते। गुरुवार दोपहर भी जब छात्रों का विवाद हुआ था, उस समय टीचर नहीं थे। अगर स्कूल में टीचर होते, तो विवाद नहीं होता।

वारदात के बाद छात्र और गांव वाले सहमे

एएसपी सूर्यकांत शर्मा ने बताया कि मृतक रोहित के पिता अशोक प्रजापति महाराष्ट्र में मजदूरी करते हैं। जबलपुर में वह चाचा-चाची के साथ रहता था। आरोपी छात्र पुलिस गिरफ्त में है। विवाद की मुख्य वजह का पता किया जा रहा है।

नेता की धमकी, बोले-तुझे मालूम नहीं मैं कौन हूं?

भोपाल में अतिक्रमण हटाने पहुंचे थे निगमकर्मी ; मंडल अध्यक्ष बोले- ठेले उठाकर बताओ

भोपाल (नप्र) भोपाल के एमपी नगर में अतिक्रमण हटाने पहुंचे निगम अमले को भाजपा नेता ने धमकाया। एक कर्मचारी का मोबाइल भी सड़क पर फेंककर तोड़ दिया। यह मामला सामने आने के बाद सियासत भी गरमा गई है। कांग्रेस ने इसे गुंडागर्दी बताया।

वीडियो में एक नेता धमकी दे रहे हैं कि 'तुम्हारे बस का है तो उठाकर बताओ। तुझे मालूम नहीं मैं कौन हूं'? यह वाक्या गुरुवार को एमपी नगर में मेट्रो ब्रिज के नीचे का है। नगर निगम अमला ज्योति टॉकीज के पास अतिक्रमण करके खड़े ठेलों को हटा रहा था। तभी वहां राजेंद्र सिंह पहुंचे और निगम अमले को धमका दिया। इस दौरान वीडियो बना रहे एक कर्मचारी का मोबाइल भी सड़क पर फेंककर तोड़ दिया। शुक्रवार को यह मामला सामने आया। इस पर कांग्रेस ने आपत्ति ली है।

यह दी धौंस- बीजेपी नेता सिंह निगमकर्मी को कह रहे हैं कि चलो उठाओ। तुम्हारे बस की है तो उठाओ। तुझे मालूम नहीं मैं कौन हूं? इसी बीच एक अन्य कर्मचारी का मोबाइल को सड़क पर फेंककर तोड़ दिया।

सिर्फ 2 ठेले दिख रहे थे, पास में खड़ी गाड़ियां नहीं-

इस मामले में मंडल अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने बताया कि गुरुवार को नगर निगम का अमला अतिक्रमण हटाने आया था। दो ठेले उठाए जा रहे थे, जबकि पास में कांग्रेस के अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष वाहिद चौधरी का गाड़ियों का अवैध कारोबार चल रहा है। यहां 50 से ज्यादा गाड़ियां खड़ी हुई हैं। मैंने कहा कि ये अतिक्रमण भी हटाएं, या दोनों ठेले छोड़ दें। चिह्नित कार्रवाई और सिर्फ भाजपा कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई करेंगे तो मुझे मौके पर खड़ा होना पड़ेगा। क्षेत्र में कांग्रेस के पार्षद और विधायक हैं। उनके कहने पर चिंह्नित कार्रवाई की गई।

अवैध पार्किंग का आरोप गलत है। इसकी जांच करवाएं। आरोप लगा सकते हैं, लेकिन रूफ दीजिए। निगम अपना काम कर रहा है। विभागीय वसूली निगम के लोग कर रहे हैं। इसमें न तो मैं और न ही मेरा कोई कार्यकर्ता संलिप्त है। मैंने महापौर मालती राय को भी शिकायत की थी। वे यहां आई भी थीं। दो-तीन दिन के बाद फिर से गाड़ियां रख दी जाती हैं। यदि बीजेपी के कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई होगी तो हमें तो खड़ा होना पड़ेगा।

नेता प्रतिपक्ष बोलीं- हमने निगम मीटिंग में मुद्दा उठाया था- इस मामले में नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा, हमने निगम परिषद की मीटिंग में मुद्दा उठाया था कि बीजेपी मंडल अध्यक्ष वसूली कराते हैं। यह सिद्ध हो गया है। आगामी परिषद की मीटिंग में फिर मुद्दा उठाएंगे।

किसानों के रिकॉर्ड, फसल नुकसान सर्वे में नहीं होगा हेरफेर

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज ने कहा- फी में मिलेंगे तिलहन फसल के बीज

भोपाल (नप्र) केंद्रीय कृषि विकास और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा, अब रेवेन्यू अमला किसानों के रिकॉर्ड और फसल नुकसान के सर्वे में हेरफेर नहीं कर सकेगा। इसके लिए केंद्र सरकार डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन का गठन करने जा रही है। इससे किसानों से होने वाले हेरफेर को रोकने में मदद मिलेगी।

भोपाल के लिंक रोड स्थित निवास पर शुक्रवार को शिवराज सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्तमान में रेवेन्यू का अमला किसान की हर डिटेल का रिकॉर्ड रखता है। डिजिटलाइजेशन के बाद रेवेन्यू अमला हेरफेर नहीं कर सकेगा। नुकसान हुआ, तो वास्तव में कितना हुआ है, इसका पता चल जाएगा। बोवनी के समय जैसे ही फसल आएगी, वैसे ही फोटो अपलोड कर दिए जाएंगे। इससे हेराफेरी नहीं की जा सकेगी। किसान को उसके नुकसान का सही मुआवजा मिलेगा। इसके लिए ड्रोन भी दिए जा रहे हैं। ड्रोन की बैटरी डिस्चार्ज होने की स्थिति देखते हुए पांच बैटरियां अलग से दी जाएंगी।

केंद्र सरकार ने गुरुवार को दो नई योजनाओं को मंजूरी दी है। इसी के अंतर्गत डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन का काम भी किया जाएगा। यह दो योजनाएं प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना हैं। दोनों योजनाओं में मिलाकर एक लाख 1321 करोड़ 61 लाख रुपए खर्च होंगे।

खाद्य तेलों में बनेंगे आत्मनिर्भर- शिवराज ने कहा कि 2022-23 में देश की कुल खाद्य तेल की आवश्यकता 29.2 मिलियन टन थी, लेकिन हमारे यहां ऑयल सीड से 12.7 बिलियन उत्पादन होता है। बाकी मांग पूरी करने के लिए विदेशों पर या आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इसके लिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन तिलहन बनाया गया है।

किसानों को फ्री में मिलेगा बीज, ट्रेनिंग देंगे- शिवराज ने कहा, वर्तमान में देश में चल रहे ऑयल सीड्स प्लांट्स का उत्पादन काफी कम है। किसानों को देने के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) बीज बनाएगा। इन बीज को किसानों को फ्री में उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए देशभर में 600 क्लस्टर बनाए जाएंगे।

देशभर के 21 राज्यों के 347 जिलों में जहां भी ऑयल सीड्स का उत्पादन होता है, उन राज्यों को विशेष रूप से लिया गया है। किसानों को इन क्लस्टर में फ्री में बीज, ट्रेनिंग, नई टेक्नोलॉजी से कैसे खेती करें, इसकी जानकारी दी जाएगी। ऐसी सुविधाएं इस मिशन के तहत दी जाएंगी।

हर साल 10 लाख हेक्टेयर एरिया में खेती

केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि देशभर में हर साल 10 लाख हेक्टेयर एरिया में खेती की जाएगी। उन्नत बीजों की कमी पूरी करने के लिए 65 नए बीज केंद्र बनाए जाएंगे। बीजों को सुरक्षित रखने के लिए 50 बीज भंडारण इकाइयां भी बनाई जाएंगी।

उन्होंने कहा कि उन राज्यों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं, जहां केवल एक फसल खरीफ की लेते हैं। इंटरक्रॉपिंग का भी उपयोग किया जाएगा। अलग-अलग फसलों के बीच में ये बीज, फसलें लगाई जा सकती हैं। पूरी खरीद किसानों से की जाएगी।

प्रदेश में मोगली बाल उत्सव की जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं शुरू

7 और 8 नवम्बर को होगी राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं

भोपाल (नप्र)। स्कूल शिक्षा विभाग का मोगली बाल उत्सव की जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं 3 अक्टूबर से प्रदेशभर में प्रारंभ हो गई है। इसके पहले सितम्बर माह में शाला, जनशिक्षा केन्द्र और विकासखण्ड स्तर पर प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया जा चुका है। मोगली बाल उत्सव जैव विविधता एवं पर्यावरण संरक्षण का एक संदेश है। मोगली बाल उत्सव में स्कूल शिक्षा विभाग राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के संयोग से प्रतियोगिता आयोजित करता है। इनमें ट्रेकिंग, सफारी, क्विज, फिल्म और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रमुख रूप से आयोजित किये जाते है। इस उत्सव के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रकृति का नजदीक से परिचय कराया जाता है। यह उत्सव न केवल प्रदेश में पूरे देश में प्रसिद्ध हो गया है।

प्रतियोगिता के कनिष्ठ और वरिष्ठ वर्ग बनाकर बच्चों की प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। इन प्रतियोगिताओं में जल, जंगल और जमीन की बढ़ती समस्या, प्रकृति संरक्षण का महत्व, हरित उत्पाद, प्रदेश की खनिज सम्पदा, ओजोन परत का क्षरण, पॉलिथीन के दुष्णप्रभाव, नदियों का संरक्षण, तपती धरती और जंगल क्यों नाराज है जैसे विषयों पर निबंध और भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती है। जिला स्तर पर चयनित दो छात्र एवं दो छात्रा राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भागीदारी करते है। मोगली बाल उत्सव का राज्य स्तरीय आयोजन पेंच अभ्यारण्य सिवनी में आयोजित होता है। यह आयोजन 7 और 8 नवम्बर को आयोजित किया जाना प्रस्तावित है।

भोपाल में महिला ने तलाकशुदा पति पर कराई एफआईआर

तलाक के बाद दोबारा शादी का झांसा देकर किया रेप

भोपाल (नप्र)। भोपाल की महिला का पांच साल पहले अपने पति से तलाक हो गया। बाद में पीड़िता ने दूसरे व्यक्ति से शादी कर ली। इसके बाद भी पूर्व पति उसके संपर्क में रहा। उसने फिर से शादी का झांसा दिया तथा पूर्व पत्नी को अपने साथ रख लिया। तीन साल तक शारीरिक शोषण करने के बाद भी जब उसने फिर से निकाह नहीं किया तो महिला ने मामले में की शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस दुष्कर्म की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि 35 वर्षीय महिला ऐशबाग इलाके में रहती है। करीब पांच साल पहले उसका अपने पति से तलाक हो गया था। इसके बाद उसने काजीकैंप में रहने वाले दूसरे युवक से निकाह कर लिया तथा वहां पर रहने लगी। पूर्व पति से उसके दो बच्चे थे। तलाक हो जाने के बाद पूर्व पति बच्चों से मिलने के आता था इसलिए महिला से उसका भी संपर्क बना रहा। अक्सर ही होने वाली मुलाकात के दौरान पूर्व पति ने महिला से कहा कि वह अपने वर्तमान पति को छोड़ दे तथा उससे पुनः शादी कर ले।

आरोपी की बातों में आकर दूसरे पति को तलाक दिया

शादी के बाद वह महिला और बच्चों के साथ परिवार की तरह रहेगा। पूर्व पति की बातों में आकर महिला ने उस युवक को तलाक दे दिया जिससे उसने दूसरी शादी की थी। इसके बाद वह वापस ऐशबाग इलाके में अपने पूर्व पति व बच्चों के साथ रहने लगी। पूर्व पति ने कहा कि वह समाज के सामने रीति-रिवाज से महिला से फिर से शादी कर पत्नी का दर्जा देगा।

तीन साल तक करता रहा ज्यादती

तीन साल तक पूर्व पति महिला का शारीरिक शोषण तो करता रहा लेकिन उसने निकाह नहीं किया। हर बार वह कोई न कोई बहाना बनाकर बात को टाल देता था। परेशान होकर महिला ने कल ऐशबाग थाने में मामले की शिकायत कर दी। पुलिस ने तलाकशुदा पति के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नवरात्रि, दशहरे पर बारिश के आसार नहीं

2-3 दिन में भोपाल-इंदौर से विदा होगा मानसून, ग्वालियर-चंबल में पारा 36 के पार

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में पिछले 2 साल से नवरात्रि और दशहरे पर बारिश हो रही है लेकिन इस बार ऐसा होने का अनुमान नहीं है। ग्वालियर-चंबल से मानसून की विदाई हो चुकी है जबकि 2-3 दिन में उज्जैन, इंदौर, भोपाल और नर्मदापुरम से भी मानसून विदा हो जाएगा। सबसे आखिरी में पूर्वी हिस्से यानी- जबलपुर, रीवा, शहडोल और सागर संभाग से मानसून विदा होगा।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि 4 अक्टूबर को बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) सक्रिय हो रहा है। इसका असर अगले एक-दो दिन में मध्यप्रदेश के पूर्वी हिस्से में दिखाई देगा इसलिए यहां मानसून की विदाई देरी से होगी।

जिन जिलों से विदाई, वहां गर्मी का असर बढ़ा

मौसम विभाग ने ग्वालियर-चंबल संभाग के 6 जिले ग्वालियर, भिंड, मुरैना, दतिया, शिवपुरी और श्योपुर से मानसून की विदाई की घोषणा कर दी है। इसके बाद इन जिलों में गर्मी का असर भी बढ़ा है। गुरुवार को ग्वालियर में पारा 36.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। अन्य जिलों में भी गर्मी का असर दिखा।

केरोसिन डालकर जलाना पड़ा था रावण

पिछले दो साल से नवरात्रि और दशहरे पर बारिश हो रही है। साल 2022 में 5 अक्टूबर और 2023 में 24 अक्टूबर को दशहरा था। 2022 में मानसून की विदाई नहीं हुई थी। भोपाल समेत प्रदेशभर में दशहरे के दिन बारिश हुई थी। भोपाल के टीटी नगर में रावण, कुंभ और मेघनाथ के पुतलों को केरोसिन और पेट्रोल डालकर जलाना पड़ा था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से नवागत मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय में भेंट की तथा पुष्प-गुच्छ भेंट कर अभिवादन किया।

सिंग्रामपुर के लिये 5 अक्टूबर का दिन होगा अभूतपूर्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

रानी दुर्गावती के सिंहासन कक्ष से प्रेरित पहली ओपन-एयर कैबिनेट

भोपाल (नप्र)। राज्य शासन द्वारा मातृ शक्ति को पूर्ण सम्मान देते हुए स्वतंत्रता संग्राम, सुशासन, साहस जैसे क्षेत्रों में राष्ट्र के लिये योगदान के साथ प्राणोत्सर्ग करने वाली वीरांगनाओं, शासिकाओं की स्मृति को स्थायी बनाये रखने के लिये विविध प्रयास किए जा रहे हैं। पहले इंदौर में लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की 300वीं जयन्ती समारोह पूर्वक मनाई गई। अब रानी दुर्गावती के सम्मान में मंत्रि-परिषद की बैठक दमोह के सिंग्रामपुर में उनकी जयंती पर की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ पूरा मंत्री मण्डल और उच्च प्रशासनिक अमला 5 अक्टूबर का दिन दमोह के सिंग्रामपुर में बितायेंगे। यहां कैबिनेट बैठक के साथ सभी मंत्रीगण विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

कैबिनेट स्थल का डिजाईन रानी दुर्गावती के किले की भव्यता को करेगा प्रतिबिंबित

रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती के उपलक्ष्य में, सिंग्रामपुर में एक भव्य ओपन-एयर कैबिनेट बैठक होगी, जो रानी दुर्गावती के सुशासन, उनकी कार्यकुशलता और महिलाओं के सशक्तिकरण से प्रेरित है। इस बैठक का डिज़ाइन रानी दुर्गावती के किले की भव्यता को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें एक किला-नुमा प्रवेश द्वार और शिव मंदिर भी शामिल हैं।

यह पहली बार है जब कैबिनेट की बैठक एक खुले क्षेत्र (ओपन एरिया) में आयोजित की जा रही है, जो रानी दुर्गावती के समय की स्थापत्य कला से प्रेरित है। यहां की आर्किटेक्चरल छत और दीवारें रानी के जीवन की संपूर्ण यात्रा को जीवंत रूप से प्रस्तुत करेंगी, जिसमें नारी युद्ध, प्रगतिशील शासन, और महिलाओं के सशक्तिकरण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को विशेष रूप से उजागर किया जाएगा।

इस आयोजन की डिज़ाइन में शानदार पत्थर की दीवारें, मेहराबदार खिड़कियाँ और एक मध्यकालीन किले की प्रामाणिकता को दर्शाने वाले तत्व शामिल होंगे। सजावट गोंड कला से प्रेरित होगी, जो रानी दुर्गावती के सिंग्रामपुर क्षेत्र के गोंड समुदाय के साथ उनके गहरे संबंध को उजागर करेगी।

खाद्य क्षेत्र को एक पारंपरिक गोंड गाँव के आँगन की तर्ज पर सजाया गया है, जहाँ मेहमान पेड़ों के नीचे बैठकर, हटा से लाए गए प्राचीन कांसे के बर्तनों में परोसा गया भोजन का आनंद ले सकेंगे। इसके अलावा, मंत्रियों के लिए विशेष कार्यालय गोंड कला और भित्ति चित्रों से प्रेरित होकर बनाए जा रहे हैं, जो कार्य-क्षमता और सांस्कृतिक सौंदर्य का अनूठा संगम प्रस्तुत करेंगे।

सिंग्रामपुर के भव्य आयोजन में मुख्यमंत्री सहित सभी मंत्रियों का स्वागत स्थानीय जनजातीय सांस्कृतिक टीम द्वारा पारंपरिक शैली में किया जाएगा, जो क्षेत्र की अनोखी परंपराओं और जीवंत आत्मा को उजागर करेगा।

सिंग्रामपुर में होने वाले प्रमुख कार्यक्रम

- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक।
- प्रदेश की लाड़ली बहना योजना में पात्र हितग्राहियों के खाते में राशि का अंतरण।
- सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के हितग्राहियों के खाते में राशि का अंतरण।
- प्रधानमंत्री उज्जवला योजना की हितग्राही बहनों के खाते में अनुदान राशि का अंतरण।
- विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन।
- ग्राम हरदुआ जामशा विकासखंड बटियागढ़ के उत्कृष्ट विद्यार्थियों का सम्मान।
- सिंगौरगढ़ किला, निदानकुण्ड जल प्रपात, प्राचीन दुर्गा माता मंदिर का भ्रमण।

रीवा जिले का चौतरफा विकास हमारी प्राथमिकता : उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

4 करोड़ रूपए की लागत के पुल का किया भूमि-पूजन

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि रीवा जिले का चौतरफा विकास हमारी प्राथमिकता है। सड़कों और पुल-पुलियों के निर्माण के साथ ही रेलमार्ग तथा हवाईमार्ग से रीवा जिले को अन्य शहरों से जोड़ने के कार्य किये जा रहे हैं। रीवा-ब्यौहारी मार्ग में नहर में इस पुल के बनने से सड़क का घुमाव समाप्त हो जाएगा तथा होने वाली दुर्घटना की संभावनाएं भी पूरी तरह खत्म हो जाएंगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने 4 करोड़ रुपए की लागत से अमिलकी में नहर पर बनने वाले लघु पुल का भूमि-पूजन किया तथा शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। रीवा से शहडोल मार्ग के विकास कार्य में पुल का निर्माण शामिल नहीं था। इसकी अतिरिक्त स्वीकृति देकर कार्य प्रारंभ कराया गया है, जो दिसंबर माह तक पूरा किया जायेगा। ग्रामवासियों ने समवेत स्वर में पुल के निर्माण की जरूरत बताई तथा उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को इस कार्य के लिए साधुवाद दिया।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि रीवा-शहडोल मार्ग की छुहिया घाटी में सड़क मार्ग में सुरंग बनाने का डीपीआर तैयार किया जा रहा है। शीघ्र ही केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी से स्वीकृति के लिए अनुरोध करेंगे। विधायक गुढ़ श्री नागेंद्र सिंह ने कहा कि रीवा का कायाकल्प उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल के मार्गदर्शन में हो रहा है। गत दिवस रीवा को अटल पार्क के तौर पर बड़ी सौगात मिली है, जिससे रीवावासियों का महानगर की तर्ज पर बड़े पार्क का सपना साकार हुआ है। स्थानीय जन-प्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए अब 14 अक्टूबर तक कराया जा सकेगा पंजीयन

भोपाल(नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया है कि खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार एवं बाजरा उपार्जन के लिए पंजीयन की अवधि बढ़ाकर अब 14 अक्टूबर 2024 तक कर दी गई है। पहले यह अवधि 4 अक्टूबर 2024 तक थी, जिसे किसानों की सुविधा के लिए और बढ़ाया गया है। मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री की अगुवाई में किसानों के कल्याण के लिए लगातार नई योजनाएं और कदम उठाए जा रहे हैं। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर किसान को उनके उत्पाद का उचित मूल्य मिले और उन्हें किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तिथि बढ़ाने से अधिक से अधिक किसान पंजीयन करवा सकेंगे और समर्थन मूल्य का लाभ उठा सकेंगे।

खेतों में ही अंकुरित हो गई सोयाबीन, सर्वे की मांग

भोपाल के 100 गांवों में अतिवृष्टि से फसल बर्बाद ; खेतों में उतरे जनप्रतिनिधि

भोपाल (नप्र)। भोपाल के करीब 100 गांव में सोयाबीन की फसल अतिवृष्टि की वजह से बर्बाद हो गई है। कई जगह तो अभी भी खेतों में पानी भरा है। इससे सोयाबीन के दाने फिर से अंकुरित होने लगे हैं। ऐसे में जनप्रतिनिधि खेतों में उतरकर सर्वे की मांग कर रहे हैं। बैरसिया इलाके में हालत ठीक नहीं है। यहां किसानों ने भी सर्वे की मांग उठाई है। विधायक विष्णु खत्री, जिपं सदस्य विनय मेहर ने कलेक्टर को सर्वे कराने के लिए पत्र लिखे हैं। विधायक खत्री ने बताया, उनकी बैरसिया विधानसभा के करीब 100 गांव में अतिवृष्टि की वजह से फसल के खराब होने जानकारी मिली है। किसान लगातार सर्वे कराए जाने की

बात कह रहे हैं। इसलिए कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह को पत्र लिखा है। ताकि, अतिवृष्टि से प्रभावित फसलों का किसानों को मुआवजा मिल सके।

खेतों में पानी भरा, दाना अंकुरित हो गया- जिला पंचायत सदस्य मेहर ने बताया, बैरसिया में अच्छी बारिश हुई है। इस वजह से सोयाबीन की फसल अतिवृष्टि की चपेट में आ गई। अभी भी सैकड़ों खेतों में पानी भरा है। इससे फसल 70 प्रतिशत तक बर्बाद हो गई है। दाना अंकुरित हो गया है। जिसकी कीमत किसान को नहीं मिलेगी। खुद खेतों में पहुंचकर फसलों की स्थिति देखी है।

इन गांवों में ज्यादा असर- खितवास, जूना पानी, बागापुरा, निदानपुर, चाटाहेड़ी बबचिया, तलैया शाह, बरखेड़ा याकूब, डूंगरिया, धतुरिया, दोहाया, सोहाया आदि गांवों में अतिवृष्टि का असर ज्यादा है।

ऐसे बर्बाद हुई फसल

जिपं सदस्य मेहर के अनुसार, जब खेतों में जाकर देखा तो कई खेतों में पानी भरा मिला। इस कारण किसान फसल की कटाई नहीं कर सके। यह फसल गल गई है। जिन खेतों में पानी नहीं है, वहां लगातार बारिश की वजह से सोयाबीन का दाना अंकुरित हो गया। कहीं फलियों में दाना दागी या सिकुड़ गया है। इससे फसल के अच्छे रेट भी नहीं मिलेंगे।

एसडीएम ऑफिस भी पहुंचे किसान

फसलों के सर्वे कराने जाने की मांग को लेकर गुरुवार को बैरसिया एसडीएम ऑफिस में बड़ी संख्या में किसान पहुंचे और उन्होंने सर्वे कराने की मांग की।

एमपी में भाव को लेकर भी किसान कर रहे आंदोलन

मप्र में सोयाबीन के दाम 6 हजार से 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल किए जाने को लेकर अलग-अलग किसान संगठन और राजनैतिक दल पिछले एक महीने से आंदोलित हैं। भारतीय किसान संघ समेत किसानों से जुड़े कई संगठन यह मांग उठा चुके हैं।

पुस्तक 'लाइफ मैनेजमेंट' का दिल्ली में विमोचन

नवीन कृष्ण राय ने हिंदी में प्रबंधन के ज्ञान का 'लोकतंत्रीकरण' किया

भोपाल (नप्र)। आईआईएम इंदौर में गवर्नमेंट अफेयर्स के मैनेजर नवीन कृष्ण राय की पुस्तक 'लाइफ मैनेजमेंट' का शुक्रवार को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर नई दिल्?ली में विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यसभा के उप-सभापति हरिवंश नारायण सिंह रहे। उन्होंने

अपने संबोधन में कहा कि नवीन ने मैनेजमेंट की अवधारणा को अंग्रेजी से निकालकर हिंदी भाषा में प्रस्तुत कर, इसे हिंदी भाषी समाज के बीच पहुंचाया है। इस पुस्तक में सेल्फ मैनेजमेंट से लेकर पीपल्स मैनेजमेंट, निर्णय लेने की क्षमता और नेतृत्व की योग्यता को सरल और सहज भाषा में समझाया गया है।

हरिवंश ने कहा कि सरकारी योजनाओं को सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने में मैनेजमेंट टूल्स का प्रयोग किया जा रहा है। जिसका परिणाम है कि अब सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रहा है। जबकि पहले केवल 15 प्रति. पैसे ही सही व्यक्ति तक पहुंच पाते थे।

अब नहीं मिलेगा लाइसेंस और आरसी का कार्ड

स्मार्ट चिप कंपनी का कार्यकाल समाप्त होने के बाद आया परिवहन विभाग का नोटिफिकेशन

भोपाल (नप्र)। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय से अब लाइसेंस और आरसी कार्ड आवेदकों को नहीं मिलेगा। परिवहन विभाग ने इसे लेकर नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। कहा है कि अब से आरसी कार्ड और लाइसेंस कार्ड का प्रिंट ऑनलाइन निकाल सकेंगे, यह कार्ड मान्य रहेगा। इससे पहले राजस्थान और केरल परिवहन विभाग द्वारा इस तरह की पहल की जा चुकी है।

30 सितंबर को परिवहन विभाग के साथ काम करने वाली कंपनी स्मार्ट चिप कंपनी का करार खत्म हो गया। इस कंपनी के कर्मचारी लाइसेंस शाखा में फोटो खींचने के अलावा फोटो प्रिंट करने का काम करते थे। इनके जाने के बाद लगातार आवेदकों को कार्ड नहीं मिलने के चलते अब परिवहन विभाग ने एक समाधान निकाला है।

पीडीएफ से भी बनवा सकते हैं कार्ड

परिवहन विभाग के अधिकारियों के अनुसार अब ऑनलाइन पीडीएफ से भी कार्ड प्रिंट करवा सकेंगे, मगर यह सुविधा विभाग द्वारा नहीं दी जाएगी। विभागीय अधिकारियों के अनुसार आपको अगर कार्ड चाहिए तो आप इसे बाहर से प्रिंट करवा सकते हैं।

अगर आगे किसी प्रिंटिंग कंपनी के साथ दोबारा परिवहन विभाग का करार होता है तो यह सुविधा दोबारा से आवेदकों को दी जा सकती है। विदिशा आरटीओ गिरिजेश वर्मा के अनुसार ऑनलाइन लाइसेंस और आरसी पहले भी मान्य थी और अभी भी मान्य है।

गुरुवार को हुई दिक्कत

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में गुरुवार को लाइसेंस आवेदकों को कई तरह की परेशानियों

का सामना करना पड़ा, इसमें खास तौर पर लाइसेंस के फोटो खिंचवाने वाले आवेदक शामिल थे।

लाइसेंस शाखा में परिवहन कर्मचारी आर चौपड़ा अकेलीं ही यह सब काम करती नजर आईं। इससे पहले तक स्मार्ट चिप कंपनी के 5 अन्य कर्मचारी उनके साथ होते थे, जो प्रिंटिंग से लेकर फोटो खींचने आदि का काम करते थे।इसके चलते गुरुवार को करीब 125 आवेदकों की लाइसेंस फाइल का काम हो सका, इसके अलावा अन्य आवेदकों को वापस लौटना पड़ा।

स्मार्ट चिप कंपनी के कर्मचारियों ने कहा...

दूसरी तरफ, मध्य प्रदेश में परिवहन विभाग के साथ काम करने वाली स्मार्ट चिप कंपनी के कर्मचारियों का कहना है कि विभाग ने हम करीब 400 से अधिक कर्मचारी विभाग के इस निर्णय से बेरोजगार हो गए हैं। मध्य प्रदेश में कुल स्मार्ट चिप कंपनी के 428 कर्मचारी है। यह अलग अलग आरटीओ में कार्यरत हैं।

भोपाल में यह रहती है स्थिति

रोजाना परमानेंट लाइसेंस और लाइसेंस रिन्युअल के 250 से 350 आवेदक आते हैं।

1000 से अधिक आरसी कार्ड छापे जाते हैं, इसमें फ्रेश और रिन्युअल शामिल हैं।

भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा बोले...

आवेदकों की सहूलियत को देखते हुए यह निर्णय लिया है, अब से आवेदक ऑनलाइन ही अपनी आरसी और पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं, यह सभी जगह मान्य होगी। इससे लाइसेंस आवेदकों को खासी सहूलियत मिलेगी।

संपादकीय

कैदियों जातिगत भेदभाव अमानवीय

देश की सर्वोच्च अदालत ने उप्र सहित 17 राज्यों की जेलों में कैदियों से जातिगत भेदभाव और जाति के आधार पर काम आवंटित करने की अमानवीय परंपरा पर सख्त और ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए राज्यों को उनके जेल मेन्युअल बदलने का आदेश दिया है। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जेल में निचली जातियों को सफाई और झाड़ू लगाने का काम देना और ऊंची जाति के कैदियों को खाना पकाने का काम सौंपना सरासर गलत और भेदभावपूर्ण है। यह संविधान के अनुच्छेद 15 का उल्लंघन है। शीर्ष अदालत ने कुछ राज्यों के जेल मैनुअल के भेदभावपूर्ण प्रावधानों को खारिज कर दिया तथा जाति आधारित भेदभाव, कार्य बंटवारे और कैदियों को उनकी जाति के अनुसार अलग वार्डों में रखने की प्रथा की निंदा की। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने जेलों में जाति आधारित भेदभाव रोकने के लिए कई निर्देश भी जारी किए। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता सुकन्या शांता ने जेलों में जातिगत भेदभाव के इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। मुख्य न्यायधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने 'सुकन्या शांता बनाम भारत सरकार' मामले पर गुरूवार को अपना फैसला सुनाया। सुकन्या की याचिका में आरोप लगाया गया था कि देश के कुछ राज्यों के जेल मैनुअल जाति आधारित भेदभाव को बढ़ावा देते हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सभी 17 राज्यों से जेल के अंदर जातिगत भेदभाव और कैदियों को जाति के आधार पर काम दिए जाने पर जवाब मांगा था। हालांकि छह महीने बीतने के बाद भी केवल उत्तर प्रदेश, झारखंड, ओडिशा, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल ने ही अपना जवाब कोर्ट में दाखिल किया। तीन जजों की पीठ ने फैसले में कहा कि इस तरह की प्रथाओं से जेलों में श्रम का गलत बंटवारा होता है तथा जाति आदि के आधार पर श्रम आवंटन की अनुमति नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने विभिन्न राज्यों के जेल नियमावली में जाति-आधारित भेदभाव की प्रथा की निंदा की। अदालत ने कहा कि सभी जातियों के कैदियों के साथ मानवीय तरीके से और समान व्यवहार किया जाना चाहिए। कुछ वर्ग के कैदियों को जेलों में काम का सही बंटवारा मिलना अधिकार है। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि कैदियों को खतरनाक परिस्थितियों में सीवर टैंकों की सफाई करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पीठ ने जाति के आधार पर भेदभाव के मामलों से निपटने के लिए पुलिस को ईमानदारी से काम करने का आदेश दिया और राज्य जेल मैनुअल के आपत्तिजनक नियमों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने राज्यों से तीन महीने के भीतर इनमें संशोधन करने का आदेश दिया। आजादी के पचहत्तर साल बाद भी देश की जेलों में कैदियों को काम के बंटवारे के मामले में भी घोर जातिवाद चल रहा है, यह खबर ही अपने आप में चौंकाने वाली है। और यह केवल जातीय घृणा के कारण नहीं बल्कि देश के राज्यों के जेल मेन्युअल के हिसाब से हो रहा है। यह बात ही अपने आप में गुलामी की निशानी है। जब हर क्षेत्र से जातिगत भेदभाव समाप्त करने की बात की जा रही हो, जेल में यह अमानवीय प्रथा वैधानिक ढंग से लागू हो, यह अपने आप शर्मनाक है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर एकदम सही और प्रगतिशील फैसला सुनाया है। इससे जेलों में बंद कैदियों को काम के बंटवारे में जातिगत दुराग्रह पर अंकुश लगेगा। जेल में बंद कैदी अपराधी और उसी कारण सजायाफ्ता होते हैं। अपराधियों के बीच भी जातिगत भेदभाव करना बीमार मानसिकता की निशानी है। यह जितनी जल्द खत्म होगी, वह देशहित में है।

नजरिया

अरविंद केजरीवाल का संघ प्रमुख से प्रश्न

अवधेश

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने जंतर - मंतर पर जनता की अदालत लगाई लेकिन उसमें उन्होंने प्रश्न राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत से पूछा। बाद में इन पर पत्र लिख दिया। उन्होंने पांच प्रश्न पूछे।

एक, जिस तरह से भाजपा देश भर में लालच देकर डराकर या ईडी सीबीआई की धमकी देकर दूसरी राजनीतिक पार्टी और उनके नेताओं को तोड़ रही है, गैर भाजपा सरकारों को गिरा रही है क्या यह देश के लिए सही है? क्या आप नहीं मानते कि यह भारतीय जनतंत्र के लिए हानिकारक है? दो, सबसे भ्रष्ट नेताओं को भाजपा ने अपनी पार्टी में शामिल किया है। जिन नेताओं को पहले भाजपा के नेताओं ने खुद सबसे भ्रष्टाचारी बोला था कुछ दिन बाद उनको बीजेपी में शामिल कर लिया गया। क्या इस प्रकार की राजनीति से आप सहमत हैं क्या ऐसी बीजेपी की कल्पना की थी? तीन, भाजपा आरएसएस की कोख से पैदा हुई है। कहा जाता है कि यह देखना संघ की जिम्मेदारी है कि भाजपा पदभ्रष्ट न हो। मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आप आज की भाजपा के इन कदमों से सहमत हैं? क्या आपने कभी बीजेपी को यह सब करने से रोकने की कोशिश की उनसे इस बारे में सवाल पूछे?

प्रश्न चार, जेपी नड्डा ने लोकसभा चुनाव के दौरान कहा था कि भाजपा को संघ की जरूरत नहीं है। जब नड्डा ने यह कहा तो आपके दिल पर क्या गुजरी? आपको दुख नहीं हुआ? आरएसएस बीजेपी के लिए मां सम्मान है। क्या बेटा इतना बड़ा हो गया कि वह पलटकर मातृ तुल्य संस्था को आंखें दिखा रहा है? पांच, आप लोगों ने मिलकर कानून बनाया था कि पार्टी में 75 साल से ऊपर के नेता रिटायर होंगे। लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी जैसे कई नेताओं को रिटायर कर दिया गया। अब अमित शाह कह रहे हैं कि यह नियम मोदी पर लागू नहीं होगा। क्या आप इससे सहमत हैं? आम देखेंगे की हाल के वर्षों में विरोधी पार्टियां ,नेता , एक्टिविस्ट और सोशल मीडिया पर सक्रिय नैरेटिव सेटर्स सभी भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार का विरोध करते हुए, हमले करते हुए संघ को निशाना बनाते हैं और कुछ तो भाजपा से ज्यादा संघ को ही हमले का शिकार बनाते रहते हैं। राहुल गांधी उनमें शीर्ष पर हैं जिनका कोई भाषण और वक्तव्य संघ पर हमले के बिना नहीं संपन्न होता। किंतु राजनीतिक नेताओं में अरविंद केजरीवाल की तरह प्रश्न इससे पहले कभी किसी ने पूछा नहीं था।

अरविंद केजरीवाल ने नेताओं को डराने- धमकाने या ईडी सीबीआई आदि का डर दिखाने या फिर 75 वर्ष की उम्र आदि को लेकर जो कहा यह उनका अपना दृष्टिकोण है। इन प्रश्नों और वक्तव्यों की मूल बात दूसरी है। जेल से बाहर आने के बाद जब उन्होंने इस्तीफा की घोषणा की तो यही कहा कि वह जनता के बीच जाएंगे और जनता उन्हें निर्दोष साबित कर देगी तो फिर वह मुख्यमंत्री बन जायेंगे। इस तरह जंतर मंतर पर जनता की अदालत उनके उसी अभियान की शुरुआत थी। स्वाभाविक ही ऐसे अभियान में हुए बहुत सोच समझकर साधे हुए अंदाज में और अपनी चतुर और चालक राजनीति के तहत ही कोई विषय उठाएंगे। इसलिए कम से कम अरविंद केजरीवाल और आपकी दृष्टि से संघ प्रमुख के पूछे गए इन प्रश्नों को आप यूं ही खारिज नहीं कर सकते।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्य प्रणाली में कभी भी राजनीतिक प्रश्न तो छोड़िए नियमित होने वाली निंदा आलोचना या हमले के उत्तर देने या किसी भी प्रश्न पर स्पष्टीकरण देने का चरित्र नहीं है। संघ पर गहरी दृष्टि रखने वाले जानते हैं कि इन सबसे अप्रभावित रहते हुए अपने उद्देश्यों के लिए निर्धारित कार्यों और आयोजनों में लगे रहते हैं। यही नहीं वह मीडिया या अन्य क्षेत्रों में सार्वजनिक रूप से सक्रिय लोगों से भी निवेदन करते हैं कि संघ की आलोचना या होने वाले हमले के उत्तर में अपना उत्तर में समय ना लगे। संघ के किसी जिम्मेदार अधिकारी से बात करिए तो उनका उत्तर यही होता है कि यह सब हमें अपने लक्ष्य और उद्देश्यों में बाधा डालने वाली होती है इसलिए इन सबसे अप्रभावित होकर चरैवेति चरैवेति के सिद्धांत पर केवल काम करते रहना है। हमारा काम ही सबसे बड़ा उत्तर होता है। इसलिए हमारे स्वयंसेवक प्रतिबद्ध समर्थक कभी इन सब से प्रभावित होकर विचलित नहीं होते। कारण, उनका हमारा सच पता है और वह स्वयं इस सच के साथ एकाकार होते हैं।

वैसे अरविंद केजरीवाल के राजस्व अधिकारी के समय एनजीओ और सूचना अधिकार कार्यकर्ता फिर भ्रष्टाचार के विरुद्ध अन्ना अभियान और अंततः आम आदमी पार्टी की अब तक की गतिविधियों पर ध्यान रखने वाले बिना किसी हिचक के बोल सकते हैं कि किसी सकारात्मक उद्देश्य से उन्होंने ये पांचो प्रश्न नहीं पूछे होंगे। यह सच है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के बाद सत्ता और राजनीति के स्तर पर हिंदुत्व और हिंदुत्व अभिप्रेरित राष्ट्रवाद पर फोकस कर विचारधारा पर ऐसे ऐसे ऐतिहासिक निर्णय और कार्य हुए जिनकी पहले कल्पना नहीं की गई थी। नरेंद्र मोदी के भाषणों , वक्तव्यों, नीतियों और व्यवहारों से हिंदुत्व विचारधारा वाले केवल संघ संगठन परिवार ही नहीं बाहर के संगठनों समूहों के अंदर भी उत्साह और आशा का संचार हुआ। इसके साथ यह भी सच है कि पिछले कुछ समय से मोदी सरकार और भाजपा के संदर्भ में निराशा चिंता कुछ हद तक विरोध और कार्यकर्ताओं समर्थकों के अंदर निष्क्रियता का व्यवहार देखा गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के समाचार पत्र के साक्षात्कार में भाजपा अब बड़ा संगठन हो गया और उसे संघ की उस रूप में आवश्यकता नहीं है जैसे आसपास और अचंभित करने वाले वक्तव्य ने पूरे संगठन परिवार और प्रतिबद्ध समर्थकों के मन में वैचारिक उथल-पुथल पैदा किया। इस पर भाजपा ने कभी स्पष्टीकरण नहीं दिया और संघ की ओर से कोई सार्वजनिक वक्तव्य आने का कारण नहीं था। इसलिए इसे लेकर पैदा हुआ संभ्रम किसी न किसी रूप में अभी भी कायम है। हालांकि विरोधियों द्वारा सनातन हिंदुत्व भारत की एकता अखंडता या जाति संप्रदाय क्षेत्र भाषा आदि के आधार पर दिए गए वक्तव्य के विरुद्ध प्रतिक्रियाएं हैं और इसका काम या ज्यादा लाभ राजनीति में भाजपा को मिलेगा। बावजूद अरविंद केजरीवाल और उनके जैसे लोगों को अच्छी तरह पता है कि लोगों के अंतर मन में ऐसे प्रश्न है और अगर कुछ प्रतिशत के भीतर भी या भाव पैदा करने में सफल रहे की भाई प्रश्न तो उन्होंने सही पूछा है तो फिर उनकी राजनीति की दृष्टि से या लाभकारी होगा। दिल्ली प्रदेश में खासकर विधानसभा चुनाव में भाजपा 2015 से आज तक अरविंद केजरीवाल के समक्ष किसी तरह की चुनौती नहीं पेश कर सकी और उनके लिए की राजनीति के लिए भले वह जेल में रहे हो या बाहर एक प्रकार से खुला मैदान रहा है। यहां सॉन्ग पुराने जनसंघ और दूसरे संगठनों से जुड़े लोगों की बड़ी संख्या है और उनमें एक बड़ा वर्ग आम आदमी पार्टी के साथ भी आया। अनेक विधायक आपको पूर्व में भाजपा से प्रत्यक्ष परोक्ष जुड़े हुए रहे। भ्रष्टाचार के आरोप के बाद स्वयं आम आदमी पार्टी के अंदर या भाव पैदा हुआ कि भ्रष्टाचार तो हुआ है और हमारे नेताओं ने अनैतिक और भ्रष्ट आचरण किया है। इसमें बड़ी संख्या में लोगों के मुड़कर दूसरी ओर यानी भाजपा की ओर जाने की संभावना का खतरा भी बड़ा हुआ है। राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा ने बाहर से आए अनेक नेताओं को वह स्थान दिया जिनके आचरण की पहले आलोचना की जाती थी और चीन के विरुद्ध नेताओं कार्यकर्ताओं और संगठन परिवार के लोगों ने संघर्ष किया। लोगों के अंतर्मन में इसे लेकर नाराजगी और नायरस्य का भाव है जिसे ना करना केवल सच की अनदेखी करना होगा। भाजपा की ओर से अरविंद केजरीवाल के प्रश्न पर मुख्य उत्तर यही है कि पहले वह बताएं कि अन्ना हजारे के बारे में उनकी क्या राय है या उन्होंने उन्हें धोखा क्यों दिया? वे अपने भ्रष्टाचार के बारे में स्पष्टीकरण दें। हमारी राजनीति में प्रश्न का सीधा उत्तर देने की परंपरा समाप्त है और इसके और प्रतिक्रिया में केवल ऐसे प्रश्न किए जाते हैं जो दूसरे के लिए और सुविधा उत्पन्न करें। इस मामले में एक हफ्ता केजरीवाल किया रणनीतिक सफलता है क्योंकि संघ के बारे में और स्वयं भाजपा पर उठाए गए उनके प्रश्नों का उत्तर भाजपा की ओर से नहीं मिल सकता।

निश्चय ही वह इसके आगे की रणनीति बना चुके होंगे और भाजपा के साथ संघ को भी कटघरे में खड़ा करेंगे। किंतु यहां सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अरविंद केजरीवाल का वक्तव्य इस बात का स्वयं प्रमाण है कि वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को आज भी एक नैतिक आदर्शऔर सुचित्रा से भरा हुआ संगठन मानते हैं और तभी उन्होंने इस तरह के प्रश्न किया है। केजरीवाल को भी स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर संघ के बारे में उनकी सोच क्या है। कारण राहुल गांधी और दूसरे नेता संघ को हमेशा अपनी राजनीति साधने और मुसलमानों सहित एक बड़े वर्ग का वोट पाने के लक्ष्य से संघ को एक फासिस्ट हिंसक दूसरे समुदायों से नफरत करने वाला अनैतिक संगठन घोषित करते रहते हैं। भले अपनी राजनीतिक हित की दृष्टि से ही केजरीवाल ने इसके विपरीत संघ को तत्काल वर्तमान झूठ अनैतिक और भट्ट की हुई राजनीति तथा सार्वजनिक जीवन में ऐसा संगठन माना है जिसके अपने चरित्र में नैतिक अतः शक्ति विद्यमान है। या बात अलग है कि अन्ना हजारे अभियान के समय जब सॉन्ग ने कहा की राष्ट हित का ध्यान रखते हुए संघ के स्वयंसेवक अपने आप उसमें सहयोग के लिए लगे थे तो उन्होंने इसका खंडन कर दिया था। तब उनका बयान संघ प्रमुख के विरुद्ध अनदर वाला था। सच यह है कि अरविंद केजरीवाल ही नहीं उनके जैसे सक्रीय ज्यादातर एक्टिविस्टों का संघ के स्वयंसेवकों के साथ व्यक्तिगत और कार्यगत संबंध होते हैं क्योंकि वह देखते हैं कि उनके कार्यक्रमों अभियानों में किस तरह ही है स्वार्थ रहित और अनुशासित होकर सक्रिय रहते हैं। लेकिन राजनीति की दृष्टि से उन्हें समर्थन करना शायद लाभकारी नहीं लगता और फिर व्यक्तिगत संबंध रखते हुए भी सार्वजनिक रूप से अनर्गल बयान बाजी करते रहते हैं। किंतु अरविंद केजरीवाल की राजनीति में भाजपा के विरोध और स्वयं उनके संस्कार के कारण अनेक असत्य अनैतिक सत्यता अनैतिकता आदि होते हुए भी हिंदुत्व भारत राष्ट्रवादके संदर्भ में हमेशा मुखर और अलग स्वर रहे हैं।

जेल से आने के बाद उन्होंने भारत माता की जय और वंदे मातरम का नारा लगाया तथा भाजपा को राष्ट विरोधी शक्तियां कहते हुए कहा कि यह विकास में बाधा डालते हैं उनके विरुद्ध संघर्ष करना है। आपके विरोधी नेताओं में कोई भी महाराष्ट या सार्वजनिक मन से भारत माता की जय आदि कहते हुए नहीं मिलेगा। तो यह एक मौलिक अंतर अरविंद केजरीवाल और बाकी नेताओं में है। किंतु उनकी राजनीतिक रणनीति जो भी हो एक बार संघ के बारे में उन्होंने अपनी राय जरूर सामने रखनी चाहिए।

प्रसंग

रानी दुर्गावती: सुशासित व समृद्ध साम्राज्य की प्रेरणास्रोत

क्रांतिदीप अलूने

लेखक मध्य प्रदेश जनसम्पर्क संचालनालय में उप संचालक हैं

वीरांगना रानी दुर्गावती महिला शासकों के भारतीय स्वर्णिम इतिहास का एक महत्वपूर्ण हस्ताक्षर है। रानी दुर्गावती ने 16वीं शताब्दी में गोंडवाना राज्य की शासक के रूप में अपने साहस और नेतृत्व के लिए ख्याति प्राप्त की। उनकी जन-कल्याणकारी व्यवस्था को सुशासन का एक उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है। रानी ने एक संतुलित, न्यायपूर्ण और विकासात्मक प्रणाली के रूप में शासन व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए गोंडवाना को एक मजबूत और समृद्ध साम्राज्य बनाया।

वीरांगना रानी दुर्गावती के शासन में गोंड संस्कृति ने देश की सांस्कृतिक विरासत को और समृद्ध किया है। उन्होंने अपनी पारंपरिक प्रथाओं से पर्यावरण के संवर्धन और संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभाई है। आज़ादी के प्रति असीम प्रेम और किसी की अधीनता स्वीकार न करने की जिद और जुनून गोंड समाज की पहचान रही है। रानी दुर्गावती गोंड समुदाय के पराक्रम, भारतीय वीरता और शूरता की साक्षात् प्रतिमूर्ति थीं।

मुगल साम्राज्य की अधीनता स्वीकार न करने वाली रियासतों के लिए मुगल काल में सुरक्षित रहना बहुत कठिन माना जाता था, क्योंकि विशाल मुगल सेना के सामने युद्ध भूमि में सामना करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऐसे समय में गोंडवाना साम्राज्य की संरक्षिका के रूप रानी दुर्गावती के कार्य एवं अपूर्व वीरता के साथ राज्य के विकास में किया गया अभूतपूर्व योगदान सुनहरे अक्षरों में दर्ज है। रानी दुर्गावती के कार्यों और वीरता का गुण-गान आज भी जनजातीय क्षेत्रों में विभिन्न बोलियों और कई भाषाओं में किया जाता है, जो भावी पीढ़ियों के लिये प्रेरणास्पद है।

रानी दुर्गावती का संघर्ष मुगलों के खिलाफ था और वे जनजातीय संस्कृति और विरासत की सुरक्षा के प्रति कृत-संकल्पित थीं। उन्होंने मुगलों के खिलाफ एक सशक्त प्रतिरोध का आधार तैयार किया, जिसने देश के दूसरे क्षेत्रों में रहने वाले राजा-महाराजा और अधीनता स्वीकार न करने वाले अनेक समूहों को मुगल सत्ता के खिलाफ लगातार लड़ने के लिए प्रेरित किया। वर्तमान जबलपुर उनके साम्राज्य का केंद्र था। रानी ने करीब 16 वर्ष तक शासन किया। उन्होंने अपने कार्य-काल में अनेक मंदिर, मठ, कुएं, बावड़ियां तथा धर्मशालाएं बनवाई। लोक कल्याणकारी कार्यों के लिए रानी की कीर्ति दूर-दूर तक फ़ैल गई।

रानी दुर्गावती के गढ़ मंडला पर मुगल सूबेदार बाजबहादुर की बुरी नजर थी, लेकिन युद्ध में रानी दुर्गावती ने उसकी पूरी सेना का सफाया कर दिया और फिर वह कभी पलटकर नहीं आया। मुगल सेना के कई हमलों को नाकाम करने वाली रानी दुर्गावती का खौफ दिल्ली की मुगल सत्ता को भी प्रभावित करने लगा। रानी दुर्गावती को अपनी रणनीतिक योग्यता, पारम्परिक सैन्य संसाधन और सैन्य शक्ति पर इतना विश्वास था कि वे विशाल मुगल सेना से कभी विचलित नहीं हुईं। रणक्षेत्र में रानी ने मुगलों की अपेक्षा में बेहद छोटी सेना होने के बाद भी असीम वीरता का परिचय दिया। इस कारण मुगल सेना युद्ध मैदान से भाग खड़ी हुई। रानी दुर्गावती ने मुगलों के खिलाफ अपनी भूमि की रक्षा के लिए जिस अद्वितीय साहस का परिचय दिया, वह भारत की मातृशक्ति के पराक्रम, शौर्य और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है।

रानी दुर्गावती को भारतीय इतिहास की सर्वाधिक प्रसिद्ध महारानियों और बेहतर प्रशासकों में शुमार किया जाता है। उन्होंने जिस कुशलता से राज संभाला, उसकी प्रशस्ति इतिहासकारों ने भी की है। आईन-ए-अकबरी में अबुल फ़ज़ल ने लिखा है कि दुर्गावती के शासनकाल में गोंडवाना इतना सुव्यवस्थित और समृद्ध था कि प्रजा लगान की अदायगी-स्वर्ण मुद्राओं और हाथियों से करती थी।

रानी दुर्गावती ने गोंडवाना की स्थिरता, विकास तथा कानून-व्यवस्था बनाये रखने के लिए प्रभावी न्याय प्रणाली की स्थापना की। उन्होंने स्व-शासन को बढ़ावा देते हुए गांवों को मजबूत किया, जिससे किसान खुशहाल हुए। रानी दुर्गावती ने कृषि, व्यापार और हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया। उन्होंने कृषि सुधारों और सिंचाई योजनाओं को लागू किया, जिससे खाद्य उत्पादन बढ़ा। रानी दुर्गावती ने शिक्षा और संस्कृति के विकास पर अधिक जोर दिया। उन्होंने साहित्य, कला और संगीत को प्रोत्साहित किया, जिससे गोंडवाना की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा मिला।

रानी दुर्गावती की नेतृत्व क्षमता, साहस और बलिदान, राजनैतिक समझ, सामाजिक न्याय को सुदृढ़ करने के कार्य, सांस्कृतिक समृद्धि और राज्य में स्थिरता बनाये रखने की कोशिशें अतुलनीय थी। जन-कल्याण के प्रति इसी प्रतिबद्धता और मातृभूमि की सुरक्षा के संकल्प ने रानी दुर्गावती को एक महान नेतृत्वकर्ता और शासक के रूप में इतिहास में अमर बना दिया। उनका जीवन और न्यायपूर्ण शासन आज भी प्रेरणा का ऊर्जा स्रोत है।

दृष्टिकोण

लोकतंत्र में जवाबदेही, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व

जवाहर चौधरी

लेखक स्तंभकार हैं।

यह कहना कठिन है कि भारतीय लोकतंत्र अपने इतिहास में सबसे कमजोर स्थिति में है या नहीं है । कई गंभीर चुनौतियां दिखाई देती हैं । भारतीय लोकतंत्र दुनिया के सबसे बड़े और सबसे जटिल लोकतंत्रों में से एक है । भारत को दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने का गौरव भी हासिल है। यह तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब भारत में धर्म और भाषाओं की विविधताएं बहुत है। तीन चौथाई शताब्दी पार कर चुके लोकतंत्र को परिपक्वता की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। लेकिन पहले देखें कि आज हमारे लोकतंत्र की स्थिति क्या है। जिस तरह हम अपनी ऐतिहासिक और बहुमूल्य वस्तुओं को ठीक रखने के लिए समय समय पर उसकी झाड़ पोछ करते रहते हैं, धूप दिखाते हैं। ठीक उसी तरह लोकतंत्र की समीक्षा करने और उसमें आई खामियों और खूबियों को भी देखने की जरूरत को नकारा नहीं जा सकता है।

सबसे पहले भ्रष्टचार को लें । यह समस्या कोई नई नहीं है। और सरकारें कोई भी हो, इसे खत्म करने की मंशा व्यक्त करती रही हैं । लेकिन हम देखते हैं चुनाव दर चुनाव इसमें कमी आने की बजाय निरंतर वृद्धि हुई है। भ्रष्टाचार भारतीय लोकतंत्र की एक बड़ी कमजोरी है, जो चुनावों में धनबल का प्रभाव, पद का दुरुपयोग और भाई-भतीजावाद जैसे रूपों में प्रकट होता है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में असमानता और अन्याय को जन्म देता है। दुखद है, लेकिन कहना होगा कि चुनाव अब एक व्यवसाय में तब्दील होता जा रहा है। चूंकि करोड़ों खर्च किए जाते हैं तो करोड़ों वसूले भी पड़ते हैं। जन सामान्य का अनुमान है कि पार्षद के चुनाव में करोड़ से ऊपर और विधायक सांसदों के चुनाव में बीस-पच्चीस करोड़ लग जाना मामूली बात है। समझा जा सकता है कि यह पैसा मात्र पोस्टर बैनर में खर्च नहीं होता, यह जिन मदों में खर्च किया जाता है वह भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। लोक में से उठे हुए साधारण आदमी की हैसियत नहीं है कि वह चुनाव लड़ सके।

धर्म और जाति भारत की दूसरी बड़ी समस्या है। लोकतंत्र की दृष्टि से देखें तो यह पूर्वाग्रही वोट बैंक का निर्माण करती है। धर्म और जाति-आधारित राजनीति भारतीय लोकतंत्र को विभाजित करती है और लक्ष्य से भटकाती है। इससे समाज में सांप्रदायिक हिंसा और तनाव भी बना रहता है। यह लोकतंत्र के समानता और सामाजिक एकता के सिद्धांतों को कमजोर करती है। क्योंकि यह सुविधाजनक है इसलिए राजनेता भी धर्म और जाति आधारित राजनीति करते हैं। हमने एक ऐसी पीढ़ी तैयार कर ली है जो चुनाव की प्रक्रिया को धार्मिक और जातिगत सशक्तिकरण के एक अवसर के रूप में देखती है। जाति संख्याबल के आधार पर पार्टियाँ भी उम्मीदवार को टिकट देती है। वोटर में वह दृष्टिकोण विकसित नहीं हो पाया है कि वह अपने बीच से अपना प्रतिनिधि चुने। उसे अपने सामने परोसे गए दागी, कम दागी और ज्यादा दागी में से एक के पक्ष में अपना मत देना होता है। यद्यपि चुनाव में नोटा की व्यवस्था है, लेकिन वह बस एक व्यवस्था ही है।

भारतीय राजनीति में वंशवाद और राजनीतिक परिवारवाद प्रचलित हैं, जो समाज सेवकों को समान अवसर से वंचित करते हैं। देखने में आता है कि आजादी के बाद से भारतीय लोकतंत्र में कुछ राजनीतिक परिवारों का वर्चस्व बना हुआ है। लगता है राजनीति उनका पैतृक व पारिवारिक व्यवसाय है। लगता है लोकतंत्र के भीतर राजतंत्र पल रहा है। कहने को वे जनप्रतिनिधि होते हैं लेकिन अपने रसूख का प्रतिनिधित्व करते हैं ।

मीडिया को लोकतंत्र का चौथा खंभा कहा जाता है। आज के हालत में जनता को उसी का एक आसरा है। लोकतंत्र में मीडिया के पास विपक्ष की जिम्मेदारी होती है। यदि विपक्ष पर्याप्त संख्या में नहीं चुना गया है, या कमजोर है, तब विपक्ष का दायित्व मीडिया को निभाना पड़ता है। सच तो यह है कि मीडिया लोकतंत्र में एक समर्थ चौकीदार है। पुलिस हो, प्रशासन हो या सरकार ही क्यों ना हो, मीडिया सब पर प्रभावी निगाह रख सकता है। हाल के वर्षों में, भारतीय मीडिया की भूमिका ने उसके इस सम्मान को खंडित किया है। सोशल मीडिया एक नई चीज हो गई है, जिसका भरपूर इस्तेमाल राजनीति में होने लगा है। तकनीकी विकास ने टीवी को मोबाइल के स्क्रीन तक पहुंचा दिया। टीवी, मीडिया के बजाए मनोरंजन का एक उपकरण बन गया। जैसे जैसे उसे झूठ के बाजार का पता चला, धीरे-धीरे सच तक पहुंच कम होने लगी। नेता भी अपने वादों को पूरा करने में विफल रहते हैं और गलतियों की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रायः अनिच्छुक होते हैं। जबकि स्वच्छ और मजबूत लोकतंत्र के लिए यह जरूरी है । इससे नागरिकों में अविश्वास पैदा होता है और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में निराशा पैदा होती है। लोकतंत्र पर इन दीर्घकालिक हमलों और नागरिक स्वतंत्रता में गिरावट के कारण चिंताएं बढ़ रही हैं। यदि ये रुझान जारी रहे, तो भारतीय लोकतंत्र की गरिमा के प्रतिकूल हो सकता है। हमारी राजनितिक व्यवस्था में लोकतंत्र के उच्च मूल्यों की स्थापना के लिए कमजोरियों को दूर करना और नवीनीकृत जवाबदेही, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना आवश्यक है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

बापू के दिल की बात जो अब सरकारों को पसंद नहीं आती

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लेखक व्यंग्यकार हैं।

आज के इस युग में जब हर नेता, हर सरकार और हर पार्टी महात्मा गांधी की तस्वीरों और विचारों को अपने राजनीतिक हथियार की तरह उपयोग कर रही है, जो कि उनके इतिहास को देखते हुए व्यंग्य मात्र ही लगता है क्योंकि उनकी नीतियां गांधी के विचारों के इर्द गिर्द भी नहीं दिखती है। अगर आज बापू होते तो क्या वे इस तामझाम को देखकर हंसते, रोते, या अपने चश्मे का शीशा साफ करते हुए कहते, यह सब क्या हो रहा है?

बापू की दिल की बात, जो कभी देश की आत्मा थी, आज सरकारी फाइलों और चुनावी मंचों के नारों तक सिमट कर रह गई है। बापू ने सत्य और अहिंसा की जो मशाल जलाई थी, वह अब केवल '2 अक्टूबर' के दिन फोटो खिंचवाने का बहाना बन गई है। हकीकत में, बापू के विचार तो सरकारों के लिए वही हो गए हैं जैसे पुराने जमाने के रेडियो - कभी सुनने लायक होते थे, पर अब केवल शोपीस बनकर दीवारों पर टंगे रहते हैं।

अब सवाल यह है कि बापू की कौन सी बात सरकारों को चुभती है? दरअसल, बापू का सबसे बड़ा गुनाह यही था कि उन्होंने सत्ता को एक सेवा का माध्यम माना था, न कि अहंकार का। उन्होंने कहा था, असली लोकतंत्र वह है जिसमें सबसे गरीब और कमजोर इंसान को सबसे ज्यादा फायदा हो। अब आप ही बताइए, भला आज की सरकारों को यह बात कैसे हज़म होगी? उनके लिए तो गरीब केवल भाषणों का मुद्दा और कमजोर वर्ग केवल वोट बैंक है। वे चाहते हैं कि जनता सेवा की बात करे, सरकार नहीं। बापू का 'स्वराज' अब सरकारी दफ्तरों में 'स्वार्थ' बन गया है, और 'विकास' का मतलब है कि सड़कें तो बन जाएं, पर उनके किनारे कोई गरीब दिखाई न दे।

गांधीजी ने हमेशा जोर दिया कि गांवों का विकास होना चाहिए। पर आज की सरकारें तो गांवों के विकास को शहरीकरण से जोड़ चुकी हैं। उनके लिए विकास का मतलब है, गांवों में भी मॉल, बड़ी-बड़ी इमारतें और चौड़ी सड़कों का निर्माण। बापू शायद आज यह देखकर दुखी होते कि उनके सपनों के गांव अब केवल महानगरों के बाहरी हिस्सों में बदल चुके हैं, जहां किसान अब सिर्फ मैन्युफैक्चरिंग के आंकड़ों में सिमट कर रह गया है।

और फिर बापू की वह दिल की बात जो भ्रष्टाचार के खिलाफ थी, वह तो सरकारों के गले में फंसी हड्डी बन गई है। बापू ने तो कहा था, ÷खुद को बदलो, ताकि दुनिया बदले। पर आज की राजनीति में बदलाव का मतलब है–नए-नए घोटाले और उसे छुपाने के लिए और नए-नए कानून। अगर बापू आज होते तो भ्रष्टाचार देखकर शायद अपने तीन बंदरों के साथ बैठकर सोचते, मैंने यह क्या कर डाला? –बंदरों को आंख, कान और मुंह बंद रखने को कहा था, पर अब तो नेता खुद अपनी आंखें, कान और मुंह बंद करके बस झूठे वादों के जाल बुनते हैं।

बापू के दिल में एक और बात थी जो आजकल के नेताओं को पसंद नहीं आती–वह थी सादगी। बापू ने अपने जीवन में कभी आलीशान घर, महंगी गाड़ी, या सुरक्षा के तामझाम का इस्तेमाल नहीं किया। लेकिन आज के नेताओं को देखिए, हर किसी के पास बड़े-बड़े काफिले, बुलेटप्रूफ गाड़ियां, और पांच सितारा सुविधाओं से लैस बंगले हैं। अगर गांधीजी आज आते और इनकी शानो-शौकत देखते, तो शायद अपनी धोती छोड़कर सूट-बूट में आ जाते, ताकि 'न्यू इंडिया' के नेताओं से मिल सकें।

सरकारें तो यह चाहती हैं कि गांधीजी का नाम चलता रहे, उनकी तस्वीरें सरकारी दफ्तरों और नोटों पर चमकती रहें, पर उनके विचार कहीं गुम हो जाएं। क्यों? क्योंकि गांधीजी के विचारों में सत्ता को एक सेवा माना गया था, और सेवा का मतलब होता है समर्पण। आज की सरकारें समर्पण नहीं, सत्ता की पूजा करती हैं। वे चाहती हैं कि बापू बस 'महापुरुष' बने रहें, पर उनके विचार 'मूर्ति' की तरह स्थिर हो जाएं, जिसे साल में एक बार फूलों की माला पहनाई जाए और फिर भुला दिया जाए।

बापू के दिल की एक और बड़ी बात थी–अहिंसा। उन्होंने कहा था कि अहिंसा केवल शारीरिक हिंसा के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह किसी भी तरह की नफरत, घृणा और असहिष्णुता के खिलाफ है। पर आज की सरकारें इसे कैसे स्वीकारेंगी? आज तो नफरत फैलाना एक नई राजनीतिक रणनीति बन गई है। लोग एक दूसरे से धर्म, जाति और भाषा के नाम पर लड़ रहे हैं और सरकारें इस आग में घी डाल रही हैं। अगर बापू आज होते, तो शायद अपनी लाठी छोड़कर सोशल मीडिया पर आकर यह कहते, भाई, मेरी तस्वीरें शेयर मत करो, मेरे विचार शेयर करो। लेकिन यह बात आज की राजनीति के कानों तक कहां पहुंचेगी?

बापू के दिल में सत्य भी हिलोरे मारता था।आज की राजनीति के लिए सबसे बड़ा खतरा है। सरकारें चाहती हैं कि सत्य उनके हिसाब से परिभाषित हो। बापू का 'सत्याग्रह' अब 'तथ्याग्रह' बन गया है, जहां तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाता है और असली सत्य कहीं दब जाता है। अगर गांधीजी आज होते, तो शायद वह राजनीति से सन्यास ले लेते, क्योंकि सत्य के लिए तो अब जगह बची ही नहीं है। बापू की दिल की बातें अब सरकारों को पसंद नहीं आतीं, क्योंकि वे सत्ता को सेवा मानने की बजाय, उसे एक खेल मानती हैं। इस खेल में जनता को बिसात पर मोहरे की तरह इस्तेमाल किया जाता है और जब जरूरत हो, तो बापू के नाम की गूंज उठाई जाती है।

पुनर्पाठ

विनोबा

भूदान आंदोलन के प्रणेता आचार्य विनोबा भावे का यह लेख 1973 में सप्रेस द्वारा जारी किया गया था।

गांधी : व्यक्ति नहीं, एक विचार

मानव-देह में एक आकांक्षा रही है कि भगवान के गुणों का साक्षात्कार इस शरीर में हो। इसलिए कोई महापुरूष अवतार स्वरूप होकर पूर्ण ब्रम्ह का एक आधार बनता है। इस दृष्टि से उसका मूल्य भी है, लेकिन ऐसा आधार तो हमें राम और कृष्ण में काफी मिल चुका है। अब तीसरे की जरूरत ही क्या है? दूसरों को राम और कृष्ण की कोटि में रखने में कोई लाभ नहीं, हानि ही होगी। नये-नये मनुष्यों को अतिमानव बनाने का नये सिरे से प्रयत्न हो रहा है। ऐसा होने पर वे सब पुराण काल की अनेक कवि कल्पनाओं से समृद्ध राम और कृष्ण के चरित्रों की कोटि में टिकने योग्य न बन पायेंगे। उनकी तुलना में ये फीके पडेंगे और विज्ञान के जमाने में ऐसा प्रयत्न हास्यास्पद भी होगा।

हमारे देश में विभूति-पूजा चलती है। बात-बात में महापुरूष को दिव्य स्वरूप में देखने की हमारी आदत ही पड़ गयी है। गांधीजी का भी ऐसा ही देवीकरण करने की कोशिश हो रही है। बहुत-से लोग उनका इस तरह गुणगान करते हैं, मानो वे भगवान ही थे। उनकी राय में वे कृष्ण की कोटि में ही थे। यह ठीक नहीं है।

मानव-देह में एक आकांक्षा रही है कि भगवान के गुणों का साक्षात्कार इस शरीर में हो। इसलिए कोई महापुरूष अवतार स्वरूप होकर पूर्ण ब्रम्ह का एक आधार बनता है। इस दृष्टि से उसका मूल्य भी है, लेकिन ऐसा आधार तो हमें राम और कृष्ण में काफी मिल चुका है। अब तीसरे की जरूरत ही क्या है?

दूसरों को राम और कृष्ण की कोटि में रखने में कोई लाभ नहीं, हानि ही होगी। नये-नये मनुष्यों को अतिमानव बनाने का नये सिरे से प्रयत्न हो रहा है। ऐसा होने पर वे सब पुराण काल की अनेक कवि कल्पनाओं से समृद्ध राम और कृष्ण के चरित्रों की कोटि में टिकने योग्य न बन पायेंगे। उनकी तुलना में ये फीके पडेंगे और विज्ञान के जमाने में ऐसा प्रयत्न हास्यास्पद भी होगा।

'भारत को स्वतंत्र करने के लिए भगवान का जन्म हुआ' - ऐसा कहकर हम गांधीजी का चरित्र लिखने बैठेंगे, तो यह भागवत की हास्यास्पद नकल जैसी बात होगी। भागवत जैसे निरन्तर पढ़ा जाता है, वैसे यह निरन्तर नहीं पढ़ा जायगा, बल्कि वह हास्यरस ही पैदा करेगा। 'क्विगझोटिक' या शेखचिल्लीपन हो जायगा।

उन्हें मानव ही रहने दें, गांधीजी के प्रति हम ऐसी मूढ़ भक्ति न रखें। वे एक मानव थे और मानव ही रहने चाहिए, उन्हें वैसा रहने देने में हमारा ही लाभ है। ऐसा करने से एक सज्जन का चित्र हमारे सामने रहेगा और आज जिसकी खूब आवश्यकता है, ऐसा नैतिक आदर्श संसार को मिलेगा।

इसके बदले उन्हें देव बना देंगे, तो उससे देवों का तो कोई फायदा होने वाला नहीं, बल्कि हम मानवता का एक आदर्श खो बैठेंगे। भक्तिभाव के लिए

हमारे पास चाहे जितनी सामग्री पड़ी हो, उसके लिए नये देव की जरूरत नहीं है। जीवन शुद्धि के लिए पवित्र दृष्टांत नये जितना काम नहीं देते। बापू के रूप में हमें ऐसा नया दृष्टांत मिला है।

उन्हें देव बना देंगे तो हम घाटे में रहेंगे और लाभ कुछ नहीं होगा। अनेक सम्प्रदायों के बीच एक सम्प्रदाय और पैदा करेंगे और उससे हम क्या पायेंगे? इससे बेहतर है कि हम गांधी जी को भगवान की कोटि में न बैठायें। उन्हें देव बना देने के बदले आदर्श मानव ही रहने दें।

बड़ी खुशी की बात है कि गांधी जी जैसे बड़े महापुरूष हमारे लिए हो गये, फिर भी भगवान की कृपा है कि वे अलौकिक पुरूष के रूप में पैदा नहीं हुए। शुकदेव जन्म से ही ज्ञानी थे। कपिल महामुनि जनमते ही मां को उपदेश देने लगे थे। शंकराचार्य आठ वर्ष की उम्र में वेदाभ्यास पूरा करके भाष्य लिखने लगे, लेकिन गांधीजी ऐसी कोटि में पैदा नहीं हुए। वे सामान्य मानव थे और इस जीवन में उन्होंने जो कुछ प्राप्त किया, अपनी प्रत्यक्ष साधना और सत्यनिष्ठा से किया। इसलिए उनका जीवन हमारे लिए अधिक अनुकूल पड़ेगा, अनुशरण करने योग्य ठहरेगा।

एक बार एक भाई ने मुझसे पूछा कि उन्हें 'गांधी' कहा जाय या 'गांधीजी?' मैंने कहा - आप यदि उन्हें व्यक्ति मानते हैं, एक पूज्य पुरूष के रूप में देखते हैं तो 'गांधीजी' कहिये, लेकिन यदि उन्हें विचार मानते हैं तो 'गांधी' कहना चाहिए। तब तो 'गांधी था' इस तरह बोलना पडेगा। गांधीजी मेरे लिए आज एक व्यक्ति नहीं विचार हैं।

गांधीजी पल-पल विकसित होते रहे, यह भली-भांति समझ लेने की बात है। अगर हम इसे नहीं समझेंगे तो गांधीजी को जरा भी नहीं समझ सकेंगे। वे तो रोज-रोज बदलते, पल-पल विकसित होते रहे हैं। यह आदमी ऐसा नहीं था कि पुरानी किताब के संस्मरण ही निकालता रहे। कोई नहीं कह सकता कि आज वे होते तो कैसा मोड़ लेते। उन्होंने अमुक समय, अमुक बात कही थी, इसलिए आज भी वैसे काम को आशीर्वाद ही देंगे, ऐसा अनुमान लगाना अपने मतलब की बात होगी। मैं कहना चाहता हूं कि ऐसा अनुमान लगाने का किसी को हक नहीं। 'लोकोत्तराणा चेतांसि को हि विज्ञातु-महंति'- लोकोत्तर पुरूष के चित की थाह कौन पा सकता है? इसलिए गांधीजी आज होते तो क्या करते और क्या न करते, इस तरह नहीं सोचना चाहिए।

यदि हम यह नहीं समझते, तो हम गांधीजी के साथ बहुत अन्याय करेंगे। उनसे हमें एक विचार मिल गया है, ऐसा समझकर अब हमें स्वतंत्र चिन्तन करना है। यदि हम उनके विचार को उनके शब्दों में और उनके कार्यों से सीमित कर डालेंगे, तो उनके साथ अन्याय कर बैठेंगे। गुजरात में जिसे 'वेदिया' कहते हैं, वैसे 'वेदिया' अर्थात शब्द को पकड़कर रखने वाले हम बन जायेंगे, तो गांधीजी के साथ अन्याय करेंगे।

स्थूल छोड़ो, सूक्ष्म पकड़ो - हमें महापुरूषों के विचार ही ग्रहण करने चाहिए, उनके स्थूल जीवन को न पकड़ रखें। ऐसा एक शास्त्र-वचन भी है। उसमें कहा गया है कि हमें महापुरूषों के वचनों का चिन्तन करना चाहिए, उनके स्थूल चरित्र का नहीं। इतना ही नहीं, वचनों का भी, जो उतम-से-उतम अर्थ हो सके, वही ग्रहण करें। इससे साफ है कि वचनों का जो कुछ सूक्ष्म-से-सूक्ष्म और शुद्ध-से-शुद्ध अर्थ निकलता हो, वही ग्रहण करना चाहिए। आज के विज्ञान युग में पुराणकाल का मनु और पुराना मार्क्स नहीं चलेगा। मैं नम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं कि गांधी भी आज ज्यों-का-त्यों नहीं चलेगा।

तब यह प्रश्न खड़ा होगा कि क्या आप गांधीजी से भी आगे बढ़ गये? तो हममें अत्यन्त नम्रतापूर्वक यह कहने का साहस होना चाहिए कि 'हम गांधीजी के जमाने से आगे ही हैं।' इसमें गांधीजी से आगे बढ़ जाने का सवाल ही नहीं और न ऐसा करने की जरूरत ही है। बढ़े या घटे, यह तो भगवान तौलेगा। यह हमारे हाथ की बात नहीं। हमें उनसे बढ़ने की जरूरत नहीं, लेकिन हमारा जमाना उनके जमाने से आगे है। हमारे सामने नये दर्शन (क्षितिज) खड़े हो गये हैं। हमें यह समझना ही होगा। न समझेंगे तो जो काम करने की जवाबदारी हम पर आ पड़ी है, उसे हम निभा नहीं पायेंगे।

गांधीजी स्वयं तो इतने संवेदनशील थे कि नित्य-निरंतर परिस्थिति के अनुसार झट बदलते जाते थे। कभी भी एक शब्द से चिपके नहीं रहते थे। किसी को भी ऐसा भरोसा नहीं था कि आज गांधीजी ने यह रास्ता पकड़ा है, तो कल कौन-सा पकड़ेंगे, क्योंकि वे विकासशील पुरूष थे। उनका मन सदैव सत्य के शोध के विचार में ही रहता था। तो, मुझे कहना यह है कि गांधीजी सतत् परिवर्तनशील थे। इसलिए हमें आज की परिस्थिति के अनुसार स्वतंत्र चिन्तन करते रहना चाहिए। (सप्रेस)

त्यौहार

नवीन जैन

स्वतंत्र पत्रकार

गरबा करें, पर दिल का ध्यान रखकर

अंग्रेजी के नामी साहित्यकार टेनीसन ने सदियों पहले कहा था कि जिस समाज में लोक गीत, लोक नृत्य,और लोक संगीत नहीं होते, वो समाज एक पागलखाने की तरफ बढ़ रहा होता है। यदि भारत के लोग तमाम अन्य मुसीबतों के बावजूद इतने हंसमुख,स्वस्थ और प्रसन्न रहते हैं, तो इसका मुख्य कारण पूरे देश में होने वाले गरबे, भांगड़ा, गिद्दा, आल्हा उदल का नृत्य और कभी होने वाली लावणी। ये लोक नृत्य जिंदगी से हमारी नई मुलाकात करवाते हैं।

बहुत कम लोग जानते होंगे कि सामाजिक सद्भाव, एकता और भाईचारे का संदेश तो खैर गरबों की नींव में ही है। लेकिन, यह नृत्य या खेल युद्ध कला का भी एक संपूर्ण दर्शन माना जाता है। इसकी हर स्टेप में राज छिपा है कि कब वार करना है, कब बचना है, कब संभलना है और कब पूरे जोश से भरपूर जवाब

देना है। साथ ही हर स्टेप में एक ास कलात्मकता भी छिपी होती है। खासकर कोविड के अल्प प्रलय के बाद गुजरात को मिलाकर देश के विभिन्न हिस्सों से दुखद खबरें आती रहीं, कि गरबा करते वक्त लोगों को हृदय से संबंधित परेशानी हुई। उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाना पड़ा। कई मामलों में तो गरबा खेल रहे कुछ युवाओं की विशेषकर गुजरात में दिल के दौरे से मृत्यु तक हो गई।

ऐसे में जरूरी है कि हर्षोल्लास में अपनी सेहत का ध्यान रखना भी हम लोग न भूलें। आजकल तो आठ-दस बरस के बच्चे को हार्ट अटैक आ जाता है और ज्यादा खुश रहने का प्रयास दुनिया में एक नए मनोरोग के

रूप में स्थापित होता जा रहा है। सभी नौ देवियों की आराधना में अपने आपको लीन कर देना जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक है। हृदय की जरा सी तकलीफ होने पर तत्काल डॉक्टर का परामर्श लेना। गरबे के वक्त पिछले कुछ सालों से करने वालों और देखने वालों की भीड़ में लगातार इजाफा हो रहा है। यह एक प्रशंसनीय बदलाव है। मगर धक्का-मुक्की, भीड़-भाड़ और एक हद से ज्यादा लगातार शोर अच्छे भले स्वस्थ व्यक्ति के लिए भी हितकारी नहीं होता।

कई लोग ऐसे मिल जाएंगे, जिन्हें एक प्रकार की मनो व्याधि 'नोइज फोबिया' होता है, जिसे 'शोर का डर' भी कहते है। वैसे, विवाह आदि समारोह में एक समय सीमा के बाद जोर से डीजे आदि बजाना स्थानीय प्रशासन द्वारा प्रतिबंधित कर दिया गया। लेकिन, तीज-त्योहार पर लोगों की आस्था और श्रद्धा का ख्याल रखना भी जरूरी होता है। ऐसे मौकों पर संतुलन तभी बना रह सकता है जब दोनों पक्ष संजीदा तथा जिम्मेदार होकर काम लें। गरबे तो बड़ी मस्ती से सुबह पांच बजे तक चलते रहते हैं। इसमें कोई दिक्कत भी नहीं है, मगर सावधानी भी उतनी ही जरूरी है।

नवरात्रि

आकाश वर्मा

देवी दुर्गा की बुराई पर उनकी जीत का जश्न

नवरात्रि, नौ रातों का त्योहार, देवी दुर्गा की इस महाकाव्य जीत का जश्न मनाता है। इन दिनों के दौरान, भक्त उपवास, प्रार्थना और नृत्य और संगीत से भरे जीवंत उत्सवों में शामिल होते हैं। प्रत्येक दिन दुर्गा के विभिन्न रूपों का सम्मान करते हुए अनुष्ठान और प्रसाद द्वारा चिह्नित किया जाता है। उनके भक्त उपवास, प्रार्थना और जीवंत उत्सवों में शामिल होते हैं, जिससे सामुदायिक भावना और भक्ति को बढ़ावा मिलता है। यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत पर जोर देता है, और भक्तों को शक्ति, लचीलापन और आध्यात्मिक विकास की तलाश करने के लिए प्रेरित करता है। नवरात्रि हिंदू धर्म में धर्म (धार्मिकता) और दिव्य स्त्री के महत्व की याद दिलाता है, जो लोगों को दुर्गा और उनके द्वारा व्यक्त मूल्यों के प्रति श्रद्धा में एकजुट करता है। आइये हम जानते है कि आखिर नवरात्रि की शुरुआत कैसे हुई।

हिन्दू धर्म मे नवरात्रि देवी दुर्गा को समर्पित एक महत्वपूर्ण हिंदू त्यौहार है, जो बुराई पर उनकी जीत का जश्न मनाता है। नौ रातों तक चलने वाला यह त्यौहार उनके विभिन्न रूपों का सम्मान करता है, जिनमें से प्रत्येक शक्ति और गुण के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। नवरात्रि, नौ रातों का त्योहार, देवी दुर्गा की इस महाकाव्य जीत का जश्न मनाता है। इन दिनों के दौरान, भक्त उपवास, प्रार्थना और नृत्य और संगीत से भरे जीवंत उत्सवों में शामिल होते हैं। प्रत्येक दिन दुर्गा के विभिन्न रूपों का सम्मान करते हुए अनुष्ठान और प्रसाद द्वारा चिह्नित किया जाता है। उनके भक्त उपवास, प्रार्थना और जीवंत उत्सवों में शामिल होते हैं, जिससे सामुदायिक भावना और भक्ति को बढ़ावा मिलता है। यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत पर जोर देता है, और भक्तों को शक्ति, लचीलापन और आध्यात्मिक विकास की तलाश करने के लिए प्रेरित करता है। नवरात्रि हिंदू धर्म में धर्म (धार्मिकता) और दिव्य स्त्री के महत्व की याद दिलाता है, जो लोगों को दुर्गा और उनके द्वारा व्यक्त मूल्यों के प्रति श्रद्धा में एकजुट करता है। आइये हम जानते है कि आखिर नवरात्रि की शुरुआत कैसे हुई।

इस कहानी की शुरुआत होती है एक ब्रह्मांडीय युद्ध से, जहां पर प्राचीन काल में, ब्रह्मांड को महिषासुर नामक एक शक्तिशाली राक्षस से खतरा था, जो एक रूप बदलने वाला भैंसा राक्षस था, जिसने देवताओं से एक वरदान प्राप्त किया था जिससे वह सभी मनुष्यों के लिए अजेय हो गया था। इस शक्ति के साथ, महिषासुर ने स्वर्ग और पृथ्वी को आतंकित किया, देवताओं और देवियों को समान रूप से हराया। जब उसने कहर बरपाया, तो ब्रह्मांड में अराजकता फैल गई, जिससे आकाशीय प्राणी हताश और भयभीत हो गए। अपनी जरूरत के समय में, देवताओं ने एक साथ मिलकर एक ऐसी दुर्जेय शक्ति बनाने का फैसला किया जो महिषासुर को चुनौती दे सके। अपनी सामूहिक ऊर्जा और शक्ति से, उन्होंने देवी

दुर्गा को प्रकट किया - एक दिव्य योद्धा जिसके पास अद्वितीय शक्ति और ज्ञान था। वह देवताओं द्वारा उपहार में दिए गए हथियारों से सुशोभित थी, जिनमें से प्रत्येक उनके दिव्य गुणों का प्रतीक था, और उसकी सुंदरता शक्ति और अनुग्रह को विकीर्ण करती थी। जैसे ही दुर्गा उभरीं, उनकी उपस्थिति ने स्वर्ग को रोशन कर दिया। देवताओं ने उनकी प्रशंसा की, और उन्होंने ब्रह्मांड में संतुलन बहाल करने की कसम खाई। अपने दृढ़ निश्चय के साथ, वह महिषासुर का सामना करने के लिए तैयार होकर धरती पर उतरीं।

दुर्गा और महिषासुर के बीच युद्ध नौ दिन और रात तक चला। प्रत्येक दिन दुर्गा की दिव्य शक्ति और ताकत के एक अलग पहलू का प्रतिनिधित्व करता था, जो बुराई से लड़ने की उनकी क्षमता को दर्शाता था। नवरात्रि की नौ रातें दुर्गा और महिषासुर के बीच भयंकर संघर्ष का प्रतीक हैं, जो उनके विभिन्न रूपों को उजागर करती हैंरू पहला दिन पहाड़ों की बेटी शैलपुत्री का सम्मान करता है। वह शक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। भक्त स्थिरता और जीवन की चुनौतियों का सामना करने के साहस के लिए प्रार्थना करते हैं।

दूसरे दिन ब्रह्मचारिणी का उत्सव मनाया जाता है, जो तपस्या और भक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। वह आत्म-अनुशासन और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतीक हैं, जो भक्तों को उनकी आध्यात्मिक यात्रा पर मार्गदर्शन करती हैं। तीसरे दिन, चंद्रघंटा की पूजा की जाती है, जो अपने उग्र और शांत स्वभाव के लिए जानी जाती हैं। वह बहादुरी और डर पर काबू पाने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करती हैं, अपने भक्तों को उनकी बाधाओं का सामना करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं। चौथा दिन ब्रह्मांडीय अंडे की देवी कुष्मांडा का सम्मान करता है। वह सृजन और प्रकृति के पोषण पहलू से जुड़ी हैं। भक्त बहुतायत और समृद्धि के लिए उनका आशीर्वाद मांगते हैं।

पांचवें दिन स्कंदमाता को मनाया जाता है। कार्तिकेय की माँ के रूप में, वह मातृ प्रेम और सुरक्षा का प्रतीक हैं। उनके भक्त अपने बच्चों और परिवारों के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। छठे दिन, योद्धा देवी कात्यायनी की पूजा की जाती है। वह सशक्तिकरण और शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं, भक्तों को अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित करती हैं। सातवें दिन दुर्गा के उग्र रूप कालरात्रि का सम्मान किया जाता है। वह अज्ञानता और नकारात्मकता के विनाश का प्रतीक है। उसके भक्त भय और बुराई से सुरक्षा चाहते हैं।

आठवें दिन महागौरी का उत्सव मनाया जाता है, जो पवित्रता और शांति का प्रतिनिधित्व करती हैं। वह शांति और ज्ञान का अवतार हैं, जो भक्तों को आध्यात्मिक जागृति की ओर ले जाती हैं। नौवां दिन सिद्धिदात्री को समर्पित है, जो अलौकिक शक्तियां और आध्यात्मिक सिद्धियां प्रदान करती हैं। भक्त अपने प्रयासों में ज्ञान और सफलता के लिए उनका आशीर्वाद मांगते हैं।

नौ दिनों के बाद अंतिम दिन आता है विजयदशमी का, नौ दिनों के भयंकर युद्ध के बाद, दुर्गा ने दसवें दिन महिषासुर का सामना किया, जिसे विजयादशमी या दशहरा के रूप में जाना जाता है। अपने दिव्य हथियारों और अटूट दृढ़ संकल्प के साथ, उन्होंने राक्षस को हराया, ब्रह्मांड में संतुलन बहाल किया। जीत बुराई पर अच्छाई की जीत, अंधेरे पर प्रकाश की जीत का प्रतीक थी। दुर्गा और नौ रातों की कहानी साहस, शक्ति और अच्छाई और बुराई के बीच शाश्वत संघर्ष की एक शक्तिशाली कथा है। देवी दुर्गा दिव्य स्त्रीत्व का प्रतीक हैं, जो लाखों लोगों को प्रतिकूल परिस्थितियों में शक्ति पाने और अन्याय के खिलाफ खड़े होने के लिए प्रेरित करती हैं। नवरात्रि के दौरान उनका उत्सव भक्ति की परिवर्तनकारी शक्ति और मानवीय भावना की लचीलापन की याद दिलाता है।

श्री राम ने किया ताड़का वध अहिल्या का हुआ उद्धार

श्री कृष्ण पंजाब सेवा समिति के तत्वाधान में हो रहा रामलीला का आयोजन

बैतूल। श्री कृष्ण पंजाब सेवा समिति के तत्वावधान में गंज रामलीला मैदान स्थित विशाल मंच पर चल रहे रामलीला महोत्सव के दौरान शुक्रवार तीसरे दिन आदर्श श्री इंद्रलोक रामलीला मंडल खजूरी के महंत रमेशदास तिवारी महाराज के सफल निर्देशन में राम लीला का मंचन किया गया। देर रात्रि मंचित रामलीला के दौरान यज्ञ रक्षा, ताड़का वध व अहिल्या उद्धार के प्रसंग का मंचन किया गया, जिसमें दिखाया

गया कि श्रीराम, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न शिक्षा ग्रहण करने के बाद जब वापस अयोध्या आते हैं, वहां विश्वामित्र का आगमन होता है। वह राम और लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा के लिए अपने साथ ले जाते हैं। विश्वामित्र के साथ श्रीराम व लक्ष्मण उनके आश्रम के तरफ चल देते हैं तो रास्ते में ताड़का राक्षसी सोई रहती हैं तो श्रीराम विश्वामित्र से पूछते है कि ये भयानक शरीर वाली कौन है तो विश्वामित्र बताते है कि यह ताड़का राक्षसी है जो साधू-संत पकड़ कर खा जातीं हैं। इसलिए इसका वध करो तो श्री राम ताड़का का वध करते हैं। फिर आश्रम पर पहुंच कर विश्वामित्र के यज्ञ को प्रारंभ कराते हैं। उसी समय मारीच, सुबाहु आकर यज्ञ भंग करने की कोशिश करते हैं तभी श्रीराम एक बाण मार कर मारीच को सौ योजन समुद्र पार भेज देते हैं और सुबाहु का वध करते हैं।

जब विश्वामित्र का यज्ञ संपन्न होता है तभी विश्वामित्र मुनि के पास राजा जनक का जनकपुर से निमंत्रण आता है। वह श्रीराम व लक्ष्मण को लेकर जनकपुर के लिए चल देते हैं। रास्ते में गौतम की पत्नी अहिल्या जो पत्थर के शिला के रूप में पड़ी थी। श्रीराम अपने चरण रज से अहिल्या का उद्धार करते हैं। इस दौरान श्रीराम के जयकारों से पूरा रामलीला मैदान गूंज उठा। रामलीला देखने दूरदराज से लोग पहुंच रहे हैं जिसके कारण देर रात तक पंडाल खचाखच भरा रह रहा।

बैतूल विधायक के निवास पर पहुचें नर्मदापुरम संभाग के जनप्रतिनिधि

सांसदो-विधायकों ने विकास के मुद्दों पर की चर्चा

बैतूल। नर्मदापुरम संभाग के प्रभारी अपर मुख्य सचिव, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसख्यक कल्याण एवं विमुक्त घुमंतु - अर्द्धघुमंतु जनजातीय विभाग मध्यप्रदेश की अध्यक्षता में शुक्रवार को बैतूल में आयोजित समीक्षा बैठक में शामिल होनें आए नर्मदापुरम संभाग के जनप्रतिनिधि

बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के निवास पर पहुचें। बैतूल विधायक श्री खण्डेलवाल नें अपनें निवास पर राज्यसभा सांसद श्रीमति माया नरोलिया, होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह चौधरी ,होशंगाबाद विधायक डॉ सीताशरण शर्मा,सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह,पिपरिया विधायक ठाकुरदास नागवंशी ,एवं सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा को पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीयता से स्वागत किया। इस दौरान बैतूल जिले के सभी विधायक भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन के अपर मुख्य सचिव अजीत केसरी की अध्यक्षता में बैतूल में आयोजित संभागीय समीक्षा बैठक में शामिल होनें के पहले बैतूल विधायक हेमंत खण्डेलवाल के निवास पर उनके साथ राज्यसभा सांसद श्रीमति माया नरोलिया,होशंगाबाद सांसद दर्शन सिंह चौधरी,होशंगाबाद विधायक डॉ सीताशरण शर्मा,पिपरिया विधायक ठाकुर दास नागवंशी , सोहागपुर विधायक विजय पाल सिंह,सिवनी मालवा विधायक प्रेमशंकर वर्मा,भैसदेही विधायक महेन्द्र सिंह चौहान,मुलताई विधायक चन्द्रशेखर देशमुख,आमला विधायक डॉ योगेश पंडाग्रे एवं घोडाडोगरी विधायक श्रीमति गंगाबाई उइके नें मीटिंग कर अपने - अपने क्षेत्र के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इसके बाद सभी एक साथ एसीएस की संभागीय बैठक में शामिल होनें के लिए बैतूल कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुए।

नवरात्रि पर्व शुरू, लेकिन नहीं भरे गए गड्ढे, पता नहीं चलता कि सडक़ में गड्ढे या गड्ढों में सडक़ है

देवास। सबसे बडा महापर्व शारदीय नवरात्रि पर्व शुरू हो चुका है, लेकिन निगम द्वारा खुदी हुई सडकों का मरम्मतिकरण नही किया गया है। शहरवासियों एवं बाहर से आने वाले भक्तों को पता ही नही चलता कि सडक़ में गड्ढे या फिर गड्ढो में सडक़ बनी हुई है। शहरभर में खुदी पडी सडकों के विरोध में शुक्रवार को नेता प्रतिपक्ष राहुल पंवार द्वारा धरना प्रदर्शन व चक्का जामकर विरोध प्रदर्शन किया गया। साथ ही निगम अधिकारी को ज्ञापन सौंप बताया कि बीमा रोड से कर्मदीप स्कूल चौराहे तक जाने वाले एमआर रोड पर जानलेवा गड्ढे हो रहे है। आए दिन कई दुर्घटना हो रही है। माता-बहने, बच्चे, पुरुष सुबह शाम घूमते है। वाहनों का दिनभर आवागमन लगा रहता है। दिनभर बच्चों से भरी स्कूली बस निकलती है। नवरात्रि के चलते माता टेकरी पर दर्शन के लिए भक्तजन का दबाव मार्ग पर रहता है। परंतु निगम का ध्यान उस नही है। यही हालत पूरे शहरभर में सभी व्यस्ततम मार्गो की है। सडकों का मरम्मतिकरण त्यौहार के पूर्व करना था, लेकिन निगम की उदासीनता के कारण कुछ भी कार्य नही हो सका। मुखर्जी नगर, अलकापुरी, शालिनी रोड, भगतसिंह मार्ग, जिला अस्पताल पर कुछ माह पूर्व कायाकल्प के माध्यम से बनी सडके पुन: खद गई है। सडको की हालत खस्ता है। शहरवासी सडको की दुर्दशा के कारण परेशान है। जिस ठेकेदार द्वारा सडकों का निर्माण किया है उस पर कार्यवाही होना चाहिए। साथ ही सडकों का पुन: डामरीकरण उच्च गुणवत्ता के साथ होना चाहिए। इस दौरान प्रमोद सुमन, रितेश विजयवर्गीय (गोलू), अशोक थीटे, राधेश्याम मालवीय, राहुल भारद्वाज, सूरज बघेल, राहुल सोनी, लोकेश गोस्वामी, जयंत पाठक, हेमंत विश्वकर्मा, अमित मिश्रा, रोहन वाघमारे, जितेंद्र मालवीय, महेश राठौर, आयुष पटेल, बिट्टू शर्मा, कबीर गारसिया, सचिन राठौर, मोहित राठौर सहित कांग्रेसजन उपस्थित थे।

अतिशेष शिक्षकों ने काउंसलिंग का किया बहिष्कार, जिले में ही समायोजित करने रखी मांग

डीईओ बोले: अतिशेष शिक्षकों की मांग को मानना या न मानना, शासन पर निर्भर

संजय द्विवेदी, बैतूल। अतिशेष शिक्षकों ने स्कूल शिक्षा विभाग की काउंसिलिंग का बहिष्कार किया है। शिक्षकों का आरोप है कि विज्ञान विषय के शिक्षक के तौर पर बाहर कर अतिशेष बताया जा रहा है। विभाग ने अतिशेष बताते हुए उन्हें पड़ोसी जिले में भेजने की तैयारी कर ली है। जिले में जगह ही नहीं बताई जा रही है। इसी से शिक्षक नाराज है। शिक्षकों का कहना है कि जब जिले में ही पद रिक्त है, तो जिले के बाहर क्यों जाए। बाहर के लोग ट्रांसफर करवा कर यहां आ जाते है, फिर हमे बाहर क्यों भेजा जा रहा है। हमसे फॉर्म भरवाया जा रहा है कि यदि आप काउंसिलिंग में भाग नहीं लेते है तो आपकी तनख्वाह रोकी जाएगी, ये गलत है। दरअसल विज्ञान श्रेणी-दो के करीब आधा सैकड़ा माध्यमिक शिक्षकों की काउंसिलिंग थी, जिन्हें जिला शिक्षा कार्यालय बुलाया गया था, लेकिन शिक्षक कलेक्ट्रेट पहुंच गए। उन्होंने अपनी समस्या को लेकर कलेक्टर से चर्चा की। गौरतलब रहे कि 27 सितम्बर को श्रेणी-2 के विज्ञान विषय के 64 अतिशेष शिक्षकों की कमी वाली शालाओं की कराई गई काउसलिंग में भी भेदभाव के आरोप लगे थे। आधा सैकडा से अधिक शिक्षकों की जानकारी में जब यह मामला आया तो उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को लिखित में असहमति जताते हुए पुन: काउंसलिंग कराने की मांग की थी।

अतिशेष शिक्षकों को समायोजित करने की मांग- शिक्षक संघों ने संयुक्त कलेक्टर को श्रेणी-2 के

विज्ञान विषय के अतिशेष शिक्षकों को जिले में समायोजित करने की मांग की है। इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा है। जिसमें समग्र शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद साहू और महामंत्री नेमीचंद मालवीय द्वारा संयुक्त कलेक्टर को अवगत कराया कि ऐसे विद्यालय जिनमें गणित का शिक्षक उपलब्ध नहीं है और जिन माध्यमिक शालाओं में 3 से कम शिक्षक है। ऐसे विद्यालयों में रिक्त पद चिन्हित कर श्रेणी-2 विज्ञान विषय के अतिशेष शिक्षकों को जिले में समायोजित करें, किसी भी अतिशेष शिक्षकों को जिले के बाहर न भेजे जाने की मांग की।

पोर्टल अपडेट नहीं, शिक्षकों ने जताई आपत्ति - शिक्षकों का आरोप है कि स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों की पदपूर्ति के लिए जिस पोर्टल पर सारी कवायद कर रही, वही अपडेट नहीं है। पोर्टल में जिले के रिक्त पद प्रदर्शित नहीं हो रहे है। समग्र शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद साहू ने बताया कि शिक्षा विभाग अन्तर्गत विषय श्रेणी-2 के विज्ञान विषय के अतिशेष शिक्षकों को लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के आदेश पत्र में कंडिका 3 अतिशेष शिक्षकों के चिन्हांकन में कक्षा 1 से 8 एवं 6 से 8 के ऐसे विद्यालय जिनमे 3 से कम शिक्षक है अथवा गणित का शिक्षक उपलब्ध नहीं है तो विज्ञान के शिक्षक को अतिशेष नहीं किया गया है। इसके अतिरिक्त हायर सेकेण्डरी स्कूल में यदि वर्ग 1 जीवविज्ञान में रिक्त पद है तो वर्ग 2 में विज्ञान विषय के शिक्षक को अतिशेष नही किया गया है।

अतिशेष शिक्षकों की मांग को मानना या न मानना, शासन पर निर्भर- जिला शिक्षा अधिकारी अनिल सिंह कुशवाह ने हमारे संवाददाता से चर्चा में कहा कि जो शिक्षक विरोध कर रहे है, उन्हें अच्छे से मालूम है कि जिन शालाओं में कम विद्यार्थी दर्ज है, वे वहां पर पदस्थ है, इसीलिए तो अतिशेष में है। रही बात ऐसी शालाओं की, जहां 3 से कम शिक्षक है या गणित का शिक्षक नहीं है, उन शालाओं के नाम पोर्टल में दर्ज करने का...? तो यह अतिशेष शिक्षकों की मांग है, उस मांग को मानना या न मानना, यह तो शासन के ऊपर निर्भर है। इसलिए तो हमने भी शासन को निवेदन किया है कि जहां गणित का टीचर नहीं है, वहां उसकी जगह विज्ञान के शिक्षक को ले लिया जाये।

धूमधाम से मनाई श्री अग्रसेन महाराज जयंती

समाज की मेधावी प्रतिभाओं का किया सम्मान

बैतूल। अग्रवाल समाज के प्रवर्तक श्री श्री अग्रसेन महाराज के जन्म जयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज बैतूल एवं अन्य सहयोगी संगठनों द्वारा 6 दिवसीय सांस्कृतिक, सामाजिक खेलकूद एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बडी संख्या में समाज के सदस्य शामिल रहे। रामकृष्ण बगिया में आयोजित इस जयंती कार्यक्रम में मुख्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी नवनीत गर्ग ने अपने उद्बोधन में समाज की उन प्रतिभाओं को आगे आने पर बधाई दी जो विदेशों में जाकर अध्ययन कर रहे हैं एवं चिकित्सकीय शिक्षा के माध्यम से डॉक्टर बनकर समाज का नाम रोशन कर रहे हैं। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शिक्षाविद् डॉ. कांत दीक्षित ने इस आयोजन की प्रशंसा करते हुए सामाजिक बंधुओं को बधाई दी। मुख्य कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कमल नयन अग्रवाल ने भी भविष्य में भी समाज के कार्यक्रम में सभी सामाजिक बंधुओं को शामिल होने की अपील करते हुए प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से समाज के पूर्व अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल एवं अग्रवाल समाज के अध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण गर्ग ने किया।

समाज की प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

समाज के उन बच्चों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया जो एमबीबीएस की पढाई कर रहे हैं उनमें नमन डॉ. मनीष अग्रवाल, कशिश प्रवीण गर्ग, शिखर अतीत अग्रवाल, तृप्ति ध्रुव अग्रवाल शामिल हैं। इसके अलावा विदेश में पढाई कर रहे गौतम आनंद अग्रवाल, देवेश देवकीनंदन अग्रवाल एवं रुद्र राकेश अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रभारी के रूप में श्रीमती करूणा प्रवीण गर्ग, खेलकूद प्रभारी श्रीमती सीमा बबलू अग्रवाल एवं श्रीमती सुनीता हरिओम अग्रवाल ने इन गतिविधियों की जिम्मेदारी संभाली। खाटू श्याम जी की भजन संध्या की पूरी व्यवस्था मध्यप्रदेश अग्रवाल युवा महासभा के जिलाध्यक्ष सजल गर्ग, उपाध्यक्ष प्रयंक अग्रवाल, आकाश अग्रवाल, राघव अग्रवाल, हर्ष अग्रवाल एवं चरक मित्तल सहित सभी सदस्यों ने संभाली। जयंती कार्यक्रम में विशेष रूप से अग्रवाल महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती मंजू गर्ग, मध्यप्रदेश अग्रवाल महिला महासभा की जिलाध्यक्ष श्रीमती रक्षा अग्रवाल, श्रीमती चांदनी अग्रवाल, अग्रवाल समाज के पदाधिकारी संदीप अग्रवाल सहित अन्य सामाजिक बंधु सक्रिय रहे।

जिले की खुशहाली के लिए पूर्व विधायक निलय डागा ने निकाली भव्य सर्व मंगल यात्रा

यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, चार पूर्व विधायकों की उपस्थिति से यात्रा बनी खास

बैतूल। नवरात्र के पहले दिन जिले की खुशहाली और समृद्धि के लिए पूर्व विधायक निलय डागा के नेतृत्व में भव्य सर्व मंगल यात्रा निकाली गई। यात्रा का शुभारंभ बैतूल स्थित डागा हाउस से हुआ, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा धारूड अंबा धाम पहुंची, जहां मां अंबामाई का विधिवत पूजन किया गया। इस यात्रा में जिले के चार पूर्व विधायकों ने भी बढ़-चढक़र हिस्सा लिया, जिससे यह यात्रा और भी महत्वपूर्ण बन गई। सर्व मंगल यात्रा में निलय डागा के साथ उनकी पत्नी श्रीमती दीपाली डागा, पूर्व विधायक मुलताई डॉक्टर पी.आर. बोडके, पूर्व विधायक भैंसदेही धरमूसिंह सिरसाम, पूर्व विधायक घोड़ाडोंगरी ब्रह्मा भलावी, और राजेंद्र जैसवाल भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यात्रा की शुरुआत सुबह 9 बजे डागा हाउस से हुई, जहां से सैकड़ों वाहनों का काफिला अंबामाई धाम धारूड की ओर रवाना हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का स्वागत विभिन्न स्थानों पर भव्य तरीके से किया गया, जिनमें मांडवी जोड़, आठनेर, हिडली, सालबर्डी, और पाला प्रमुख रहे। जैसे ही काफिला धारूड पहुंचा, वहां पारंपरिक रीति-रिवाज से सभी श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया। इसके बाद सभी श्रद्धालु करीब डेढ़ किलोमीटर पैदल चलकर मां अंबामाई के दरबार पहुंचे और पूजन-अर्चन कर जिले की खुशहाली की कामना की।

समाजसेवियों द्वारा की गई विशेष व्यवस्थाएं- धारूड में समाजसेवी पप्पू आर्य और राजू पटेल हिडली द्वारा श्रद्धालुओं के उपवास आहार की व्यवस्था की गई। वहीं, वडाली में समाजसेवी जित्तू तेलकर द्वारा सभी श्रद्धालुओं के भोजन की व्यापक व्यवस्था की गई, जिससे श्रद्धालु यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करें।

चार पूर्व विधायकों की उपस्थिति ने यात्रा को बनाया खास- सर्व मंगल यात्रा में जिले के चार पूर्व विधायकों की उपस्थिति ने इसे और भी भव्य और महत्वपूर्ण बना दिया। पूर्व विधायक मुलताई डॉक्टर पी.आर. बोडके, पूर्व विधायक भैंसदेही धरमूसिंह सिरसाम, पूर्व विधायक घोड़ाडोंगरी ब्रह्मा भलावी, और राजेंद्र जैसवाल ने इस धार्मिक यात्रा में भाग लेकर मां अंबामाई के दरबार में पूजा अर्चना की।

माता के दरबार में लग रहा भक्तों का तांता

देवास/मोहन वर्मा। देवास स्थित माता टेकरी पर माँ चामुण्डा और तुलना भवानी के दर्शनों के लिए बड़ी तादाद में भक्त पहुँच रहे है। बीते दिवस नवरात्रि के पहले ही दिन तकरीबन 75 हजार से अधिक भक्त अपनी मुरादें लेकर माता के दरबार में पहुँचे।

प्रशासन द्वारा इस सबसे बड़े पर्व पर पूरी चाक चौबंद व्यवस्था की गई है ताकि दूर दूर से आने वाले भक्तों को आसानी से दर्शन हो सके। जिलाधीश ऋषव गुप्ता के निर्देशन में प्रशासकीय अमला और स्वयंसेवी संस्थाओ के कार्यकर्ता पूरी मुस्तैदी से अपनी जिम्मेदारी निभा रहे है। हर दिन हजारों की संख्या में इंदौर,उज्जैन, शाजापुर जैसे पड़ोसी शहरों से लोग माँ के दर्शनों के लिए देवास पहुँच रहे है । हर साल नवरात्रि पर इन जगहों से पैदल चलकर लोग देवास पहुँचते हैं।

भक्तों की सेवा के लिए टेकरी पहुँच मार्ग पर स्टॉल लगाकर समाजसेवियों और संस्थाओं द्वारा निरंतर खिचड़ी प्रसाद का वितरण रात दिन हो रहा है, और भक्त देर रात तक टेकरी पर दर्शन के साथ शहर के पांडालो मे विराजित प्रतिमाओं के दर्शन का लाभ ले रहे हैं ।आगामी दो दिन सप्ताह अंत होने से टेकरी पर भीड़ बढ़ने की संभावना को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड़ पर है जिससे भक्तों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस बीच संभागायुक्त संजय गुप्ता और आईजी संतोष कुमार सिंह ने भी टेकरी का निरीक्षण कर माताजी की पूजा अर्चना की। निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री गुप्ता और आईजी श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि नवरात्रि पर्व के दौरान माताजी की टेकरी पर श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसका विशेष ध्यान रखा जाए। संभागायुक्त श्री गुप्ता और आईजी श्री सिंह ने पार्किंग, श्रद्धालुओं की भीड़ ज्यादा होने पर प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को माताजी के दर्शन सुगमता से हो इस बात का ध्यान रखा जाएं। श्रद्धालुओं की भीड़ एक साथ न हो इसके लिए श्रद्धालुओं की भीड़ को नियंत्रण में रखने के लिए चलायमान तरीके से दर्शन कराये। दर्शनार्थियों को एक जगह ज्यादा देर खडे न रहने दे।

देवास में शक्ति पर्व का आयोजन सयाजी द्वार पर 06 अक्टूबर को

देवास। मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से शारदीय नवरात्री के अवसर पर देवास में 06 अक्टूबर को सयाजी द्वार पर सायं 06:30 बजे शक्ति पर्व का आयोजन किया जा रहा है। ''शक्ति पर्व'' में शक्ति आधारित भक्ति गीत, नृत्य नाटिका एवं भजन गायन का आयोजन होगा। परियोजना अधिकारी श्री रवि भट्ट ने बताया कि शक्ति पर्व आयोजन में तीन दलों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी जायेगी। जिसमें श्री रमेश चौधरी एवं साथी देवास द्वारा भक्ति गीत की प्रस्तुति दी जायेगी, इसके बाद सुश्री संघमित्रा तायवाड़े एवं साथी भोपाल द्वारा शक्ति केन्द्रीत नृत्य नाटिका प्रस्तुत दी जायेगी एवं भजन गायक श्री प्रकाश माली एवं साथी बालोतरा (राजस्थान) द्वारा भजन गायन की प्रस्तुति दी जायेगी।

संस्कृति विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा देवास के सभी कला प्रेमी, साहित्यकार एवं नागरिकों से शक्ति पर्व में सहभागिता का आग्रह किया है।

ध्वज के साथ सैकड़ों श्रद्धालु सलकनपुर के लिए पदयात्रा पर रवाना

बैतूल/भौरा। नवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में शुक्रवार को दूज तिथि पर नगर से मां काली शिव समिति द्वारा एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। यात्रा में सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिनमें युवक, महिलाएं और बच्चे प्रमुख रूप से उपस्थित थे। पदयात्रा की शुरुआत नगर के ऐतिहासिक मां खेड़ापति माता मंदिर से हुई, जहां सभी भक्तों ने मां दुर्गा की विधिवत पूजा-अर्चना कर यात्रा प्रारंभ की। यात्रा में शामिल श्रद्धालु उत्साह और भक्ति से ओत-प्रोत नजर आए। हाथों में ध्वज लिए हुए भक्तजन बैंड-बाजे और डीजे की धुनों पर धार्मिक गीतों पर नाचते-गाते निकले। यात्रा के संयोजक संजू खरे ने जानकारी देते हुए बताया कि यह यात्रा हर वर्ष नवरात्रि के

पावन पर्व पर आयोजित की जाती है और इस बार भी सैकड़ों श्रद्धालु नगर से निकलकर पैदल सलकनपुर के लिए रवाना हुए हैं। उन्होंने बताया कि तीन दिनों की पदयात्रा के बाद श्रद्धालु पंचमी तिथि पर सलकनपुर स्थित मां विजयासन देवी के मंदिर पहुंचेंगे, जहां वे सुबह की आरती में सम्मिलित होकर मां को ध्वज अर्पित करेंगे और विशेष पूजन करेंगे। खरे ने बताया कि यात्रा के दौरान भक्तजन मां की भक्ति में लीन रहते हुए जयकारे लगाते चलते हैं। पदयात्रा में शामिल कई श्रद्धालुओं ने बताया कि यह यात्रा उनके लिए आध्यात्मिक अनुभव के साथ ही भक्ति और समर्पण की भावना को बढ़ाने का अवसर भी है। यात्रा में पहली बार भाग ले रहे कई युवक-युवतियों ने इसे विशेष अनुभव बताया और कहा कि सलकनपुर की यह यात्रा उन्हें हर साल अपनी ओर खींचती है। भक्तों के लिए रास्ते में विश्राम स्थलों और भोजन की भी व्यापक व्यवस्था की गई है। जगह-जगह स्थानीय भक्तगण इनके स्वागत में तत्पर रहते हैं। नगर के लोगो ने भी यात्रा में भाग लेकर इसे भव्य और सफल बनाने में सहयोग किया।

नवरात्रि के उपलक्ष्य में दो दिवसीय गरबा महोत्सव का आयोजन

बैतूल/भौरा। नगर में नवरात्रि के पावन अवसर पर 5 और 6 अक्टूबर को महिला मंडल द्वारा ग्राम पंचायत परिसर में भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन का उद्देश्य नवरात्रि के दौरान देवी की आराधना के साथ-साथ महिलाओं और युवतियों को अपनी सांस्कृतिक परंपराओं से जोडऩा है। महिला मंडल की अध्यक्ष रश्मि पटवा ने बताया कि इस गरबा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। उन्होंने कहा हमारा प्रयास है कि इस बार का आयोजन पिछले वर्षों से भी अधिक

भव्य और आकर्षक हो। नगर के लोगों की बड़ी संख्या में सहभागिता हो, इसलिए हम सभी को गरबा महोत्सव में शामिल होने का आग्रह करते हैं। यह एक अद्भुत अवसर होगा जब हम एक साथ देवी की आराधना करेंगे और अपनी सांस्कृतिक धरोहर को संजोएंगे। कार्यक्रम के दौरान रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में महिलाओं और युवतियों द्वारा गरबा नृत्य प्रस्तुत किया जाएगा। आयोजन को लेकर महिलाओं और युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया है, और सुरक्षा एवं सुविधा के पूरे इंतजाम किए गए हैं। स्थानीय लोगों से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में आकर इस सांस्कृतिक आयोजन का हिस्सा बनें और नवरात्रि की खुशियों को सामूहिक रूप से मनाएं।

आजादी के अमृतकाल में रानी दुर्गावती के विचारों की प्रासंगिकता

(वीरांगना रानी दुर्गावती जयंती पर विशेष)

हितानंद शर्मा

(लेखक भारतीय जनता पार्टी मध्य प्रदेश के प्रदेश संगठन महामंत्री हैं)

मध्य भारत की सुनहरी भूमि पर स्थित कालिंजर के किले में चन्देल वंश में उत्पन्न महारानी दुर्गावती की शौर्य गाथा से पूरा भारत परिचित है। रानी दुर्गावती के शासनकाल में धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष नामक चारों पुरुषार्थ विद्यमान थे और आकाश-वायु-अग्नि आदि पञ्चमहाभूत सन्तुलित होकर माता वसुन्धरा के संरक्षण व संवर्धन करने को लालायित थे। प्रजा खुशहाल थी और अर्थव्यवस्था समृद्धि की हिलोरें मार रही थी। चन्दन से महात्माओं का अभिनन्दन और मन्दिरों में पुष्पों से प्रभु का वन्दन होता था। उनकी इन्हीं विशेषताओं के कारण आज आजादी के अमृतकाल में रानी दुर्गावती के 500वें जन्मदिवस के समय गोंडवाना क्षेत्र में रानी दुर्गावती का जीवनवृत्त बच्चे-बच्चे की मुंहबोली शौर्यगाथा बन चुका है।

नवरात्र में जन्मी (तिथि- 05 अक्टूबर, 1524, स्थान- कालिंजर दुर्ग) रानी को माता भगवती की विशेष अनुकम्पा जानकर ही महाराजा कीरत सिंह ने अपने ज्योतिषाचार्यों से विचार-विमर्श करने के पश्चात् उस कन्या का नाम दुर्गावती रखा था, जो खेलने-कूदने की अल्पायु में ही शस्त्रास्त्रों में अपनी रुचि देखने लगी थी। इस सन्दर्भ में प्रो. चित्रभूषण श्रीवास्तव जी की कुछ पंक्तियाँ उद्धृत करने योग्य हैं 'पन्द्रह सौ चौबीस में जन्मी वो चन्देलों की शान थीं। कालिंजर राजा की बेटी वो इकलौती सन्तान थीं । दुर्गाष्टमी अवतरण दिवस दुर्गा का ही अवतार थीं, थर्राये मुगलों की सेना ऐसी भीषण ललकार थी।'

गोंडवाना रानी के राज्य की विदेशनीति तथा उनके निर्णयों में राज्य की सम्प्रभुता, स्वतन्त्रता तथा सामाजिक समरसता को सदैव ध्यान में रखा गया था। सम्प्रति, रानी दुर्गावती के 500वें जन्मवर्ष में उनके ये विचार आधुनिक भारतीय लोकतन्त्र के लिए अवश्य ही प्रेरक हैं, क्योंकि जब समूचा विश्व दो गुटों में बंटा हुआ है, तो प्रजा के कल्याण हेतु ऐसे कठिन निर्णय लेने होते हैं, जो राज्य की सम्प्रभुता, अक्षुण्णता और स्वतन्त्रता को ठेस न पहुंचावे। रानी दुर्गावती ने मुगल आक्रान्ता अकबर को उसी की भाषा में प्रत्युत्तर दिया, जबकि वे मुगल सैन्य शक्ति से भली-भाँति परिचित थी। वे अपने राज्य की विदेशनीति और आन्तरिक सुरक्षा हेतु अपनी गुप्तचर संस्था के साथ नियमित रूप से बैठती थीं, जैसाकि वर्तमानकाल में किसी देश का प्रधानमन्त्री अपनी गुप्तचरसंस्था के साथ बैठक करता है और अपनी विदेशनीति व कूटनीति को कार्यान्वित करता है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि समसामयिक सन्दर्भ में महारानी दुर्गावती की विदेशनीति विषयक विचार अतिप्रासंगिक हैं।

विख्यात शासिका दुर्गावती ने गोंडवाना राज्य के रामनगर, नयनपुर, कंजरिया, कांजीवाडा, लांजी, धूमा, कतंक, बैहर, डिंगैरी, कोतमा, गाडरवारा, बनखेडी, सोहागपुर, मैहर,

गैरतगंज, भेलसा, गंजबसौदा, रायसेन, सिरौंज, भोजपाल, सिहोरा, पनानगर आदि क्षेत्रों में सुव्यस्थित जलापूर्त्ति व जलनिकास हेतु अनेक तालाब, नहर, बावली, कुओं आदि का निर्माण कराया था। तात्कालिक परिस्थिति में यह कार्य निःसन्देह प्रजाकल्याण हेतु सराहनीय प्रयास था, किन्तु सम्प्रति, जब महारानी दुर्गावती का 500वाँ जन्मदिवसवर्ष है, तो जलवायु परिवर्तन के इस काल में तत्सदृश जलापूर्त्ति व निकास व्यवस्था प्रासंगिक सी लगती है।

वर्तमान जबलपुर के परिक्षेत्र में यह भी प्रसिद्ध है कि इस क्षेत्र में लोककल्याणार्थ रानी ने 52 तालाबों का निर्माण कराया था। जिससे वर्षा के जल का संरक्षण और भू-जल की आपूर्त्ति सुनिश्चित हो सके। इस समय, सकल विश्व स्वच्छ जल की उपलब्धता हेतु संघर्षरत है, जल बचाने की बातें प्रतिदिन हम सोशल मीडिया के माध्यम से देखते हैं, ऐसे में महारानी दुर्गावती के जलापूर्त्ति सम्बन्धी विचार और भारत के विविध क्षेत्रों में नहर, तालाब, कुओं आदि का निर्माण समृद्ध भारत के पुनर्निर्माण (आजादी के अमृतकाल) में निश्चित ही प्रेरक सिद्ध होंगे।

महारानी दुर्गावती ने धार्मिक समन्वय स्थापित करने हेतु भी अनेक सफल प्रयास किये थे, जिसके कारण विविध मताबलम्बियों में परस्पर गतिरोध न होते हुए समन्वय स्थापित हुआ था। महारानी दुर्गावती अपने धर्म के प्रति भी पूर्णरूपेण समर्पित रहती थीं। उन्होंने हिन्दू देवी-देवताओं के विभिन्न मन्दिरों का निर्माण कराया था और अनेक मन्दिरों में प्रभु श्रीराम, भद्रकाली, विष्णु भगवान् आदि देवताओं की प्रतिमा स्थापित कर धार्मिक सद्भावना का सन्देश दिया था। इस सम्बन्ध में प्रख्यात 'महारानी दुर्गावती' नामक ग्रन्थ उल्लेखनीय है, जिसमें रानी दुर्गावती द्वारा निर्देशित बीरबल द्वारा शैक्षणिक कार्य, गोदान, अन्नदान, मन्दिरों व विद्यालयों के निमित्त भूदान आदि का वर्णन है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, जब एक ओर कट्टरवादी ताकतें गिद्धमुख किये भारतीय संस्कृति को निहार रही हैं, तो दूसरी ओर भारतीय संस्कृति का मूलमंत्र 'समन्वय और समरसता' की भावना द्वारा इनको परास्त करना अत्यावश्यक है, जोकि महारानी की राजनीति में दृष्टिगोचर होता था। क्योंकि किसी देश की महानता और उसकी समृद्धि में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग अपेक्षित होता है और सभी के समन्वय व सहयोग से ही कोई राष्ट्र उन्नति के मार्ग पर प्रशस्त होता है।

रानी दुर्गावती मात्र अधिकारियों के द्वारा प्रदत्त जानकारी पर आश्रित होकर प्रजा को शासित नहीं करती थीं, अपितु वे अपना वेश बदलकर जनता की नब्ज टटोलती थीं। वे सामान्य प्रजा के मध्य जाकर उनकी रोजमर्रा की जिन्दगी में आने वाली चुनौतियों को प्रजा के द्वारा ही सुनती थी और उन चुनौतियों का तत्काल अथवा राजदरबार के माध्यम से निवारण किया करती थीं। जैसाकि एक शासक को अपन गुप्तचरों के माध्यम से ऐसा करना चाहिए, या स्वयं ही औचक निरीक्षण के माध्यम से सत्य का ज्ञान करना चाहिए।

राज्य स्तरीय स्कूल ताइक्कांडो प्रतियोगिता में धार के 11 खिलाड़ी जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे

धार। विदिशा में होने वाली राज्य स्तरीय ताइक्कांडो प्रतियोगिता 4 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक आयोजित की जा रही है। जिसमें गुरुकुल एकेडमी से कर्तव्य ठाकुर ,मनीषा सारियल ,भूमिका ठाकुर ,जयंती मवेल ,टाइमिंग पब्लिक स्कूल से सौम्या भदोरिया,देवांश भोयटे ,मॉडल स्कूल से मोहित यादव ,देव मेहता , धार पब्लिक स्कूल से शुभम डोडिया , मां शारदा विद्यापीठ से प्रियांशु पंचोली , श्री एल एन एकेडमी खेरोद से श्रेया गोहिल 3 अक्टूबर को विदीशा रवाना हुए। जिसमें कोच गगन सिंह, एसोसिएशन अध्यक्ष प्रवीण तोमर ,अतिथि भाजपा जिला उपाध्यक्ष विश्वास पांडे, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ,अनिल यादव,सचिव महेश मुवेल द्वारा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना कर स्वागत किया।

धार डिस्ट्रिक्ट बेडमिंटन एसोसिएशन में प्रदीप जोशी अध्यक्ष व कुणाल मकवाना सचिव बने

धार। धार डिस्ट्रिक्ट बेडमिंटन एसोसिएशन के पिछले दिनों चुनाव संपन्न हुए। जिसमें प्रदीप जोशी (अध्यक्ष) कुणाल मकवाना (सचिव) , विवेक यादव , विनोद मित्तल , राजेंद्र सिंह चौहान ,विनोद दोहरे (उपाध्यक्ष), (कोषाध्यक्ष) विमल गर्ग ,(सह सचिव) डॉ अजेश माइकल,अर्पित मित्तल, डॉ सुदीप मित्तल ,पराग भोसले प्रतीक माहेश्वरी ,निलेश गोयल, पंकज सोनी ,गोपाल खंडेलवाल सुनील महतो व आर के चौहान सह सचिव व प्रभात सुगंधी , हरिकिशन कपूर (कार्यकारिणी सदस्य)बनाए गए विशेष आमंत्रित सदस्य राजेश शाक्य जिला खेल अधिकारी धार बनाए गए। उक्त चुनाव करन सिंह पंवार संरक्षक की उपस्थिति में संपन्न हुए।

समाज की सेवा करने वालों को तन-मन-धन से सहयोग करें: मनोहर मेहरा

अभ्युदय उपकार फाउंडेशन के तत्वावधान में हो रही भागवत कथा में समाजसेवी मनोहर मेहरा

रायसेन। समाज में विभिन्न तरीकों से सेवा करने वाले लोगों और संस्थाओं का तन, मन और धन से सहयोग करना चाहिए क्योंकि एक तरफ जहां जरूरतमंदों की मदद होती है वहीं धार्मिक आयोजनों से हमारी संस्कृति और परंपरा से नई पीढ़ी रुबरु होती हैं। यह बात समाजसेवी श्री मनोहर मेहरा ने दशहरा मैदान में अभ्युदय उपकार फाउंडेशन के तत्वावधान में हो रही भागवत कथा में गुरुवार को मुख्यअतिथि के रूप में शामिल होते हुए कही। श्री मेहरा ने इस अवसर पर आयोजित कन्या पूजन में शामिल होते हुए कन्याओं के पैर पूजकर उन्हें तिलक कर भेंट अर्पित की। इस अवसर पर अभ्युदय उपकार फाउंडेशन की अनामिका शुक्ला एवं यश तिवारी सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि 29 सितंबर से पंडित राकेश मिश्रा महाराज के श्रीमुख से हो रही श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करने बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं।

अनामिका शुक्ला ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को शोभायात्रा उपरांत सोमवार को परीक्षित कथा, कुन्ती चरित्र, शुकागमन प्रसंग पर कथा सुनाई गई। मंगलवार को वराह अवतार, कपिल गीता, अक्षयज्ञ, ध्रुवचरित्र, भरतचरित्र, प्रहलाद चरित्र गजेंद्र मोक्ष, समुद्र मंथन, वामन अवतार की कथा का श्रवण करने बड़ी संख्या में लोग आए। उन्होंने बताया कि गुरुवार को कथा के साथ साथ आयोजित कन्या पूजन कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी मनोहर मेहरा शामिल हुए इस अवसर पर पूर्व मंत्री सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे। उन्होंने बताया कि समाजसेवी मनोहर मेहरा समाज में आदर्श बनकर कार्य कर रहे हैं उनके द्वारा दिए जाने वाला प्रोत्साहन आगे बढ़कर समाज हित में काम करने के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है।

विचार यदि धर्मपूर्वक हैं तो ब्रह्म प्राप्ति होगी अन्यथा नहीं - धर्माचार्य सोमेश परसाई

नर्मदापुरम। आईटीआई स्थिति धर्माचार्य सोमेश परसाई के अनुयायियों ने उनके निलिम्पमणि (निवास) को शक्ति पीठ बन दिया अपने गुरु के सानिध्य में वे नवरात्रि पर्व विधि-विधान से सम्पन्न कर रहे। नवरात्रि के द्वितीय दिवस आज धर्माचार्य ने ब्रह्मचारिणी माता की विधि पूर्वक पूजा-अर्चना कर आज के दिन का महत्व बताया आचार्य श्री ने बताया आज का दिन है ब्रह्मचारिणी माता का है जिसका अर्थ है आपकी तपस्या को सार्थक करने वाली। जिनके आचार विचार शुद्ध होते हैं उन्हें ब्रह्मचारिणी माता के माध्यम से ब्रह्म की प्राप्ति होती है। धर्माचार्य ने बताया आपके विचार यदि धर्मपूर्वक हैं तो ब्रह्म की प्राप्ति हो सकती है, यदि आपके विचार उत्तम नहीं है, आचरण अच्छे नहीं हैं तो आप ब्रह्म को प्राप्त नहीं कर सकते, धर्माचार्य ने बताया कि आज के दिन ब्रह्मचारिणी माता को रेशमी वस्त्र अर्पण करना चाहिए इससे मां भगवती की बड़ी कृपा प्राप्त होती है। उन्होंने बताया कि आज शुक्रवार का भी दिन है और द्वितीया का भी आज 2 वर्ष से लेकर 10 वर्ष की चारों वर्ण की कन्याओं का पूजन समान रूप से करनी चाहिए, सोडसी का पूजन भी करना चाहिए, साथ ही ब्रह्मचारिणी माता से प्रार्थना करना चाहिए मां हमें आचरण मैं और विचारों में भी आपकी कृपा प्राप्त हो तो आपका आचरण भी अच्छा हो जाएगा और विचार भी अच्छे हो जाएंगे। आचार्य श्री ने बताया ये 9 दिन का समय साधना जप-तप के लिए माने गए हैं, माता-पिता का भी धर्म बनता है कि वह अपने बच्चों को पूजा पाठ में लगाएं क्योंकि 9 दिन जो शक्ति है यही भक्ति उत्पन्न करती है, धर्माचार्य ने कहा कि आज के समय में नवदुर्गा को एक मनोरंजन का साधन भी लोगों ने बना लिया है। मनोरंजन के साधन से दूर रहकर मां के चरण शरण में जाएं इससे प्रभुत्व की प्राप्ति और मन को शांति प्राप्त होगी।

12वीं राज्य स्तरीय जीत कुनेड़ा स्पर्धा संपन्न, 200 खिलाड़ियों ने लिया भाग

ओवर आल चैम्पियनशिप में खरगोन जिला रहा प्रथम

धार। 12वीं मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय एवं पहली एमपी-राजस्थान जीत कुनेडो प्रतियोगिता शहर के निजी गार्डन में संपन्न हुई। स्पर्धा में पूरे प्रदेश एवं राजस्थान के अलग अलग जिलो से लगभग 200 खिलाड़ियो ने भाग लिया। जिसमें ओवरऑल चैंपियनशिप विजेता में खरगोन जिले को प्रथम, राजस्थान द्वितीय, धार एवं उज्जैन को संयुक्त तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। स्पर्धा का समापन समारोह रिजर्व इंस्पेक्टर पुरुषोत्तम बिश्नोई, आईजीएम कॉलेज के डायरेक्टर डॉ जमील शेख, नित्यानंद कॉलेज के डायरेक्टर मंगलेश म्हाले, सक्षम फिटनेस फॉरएवर जिम के डायरेक्टर धीरेंद्र जयसवाल एवं मध्य प्रदेश जीत कुनेडो संघ के अध्यक्ष राजेंद्र राठौर के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

स्पर्धा में इन्होंने जीते पदक- प्रतियोगिता में धार जिले से दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के 11 विद्यार्थियों ने अपने-अपने वर्ग में पदक जीते तथा राष्ट्रीय जीत कुनेडो चैंपियनशिप के लिए चयनित हुए। जिसमें अनमोल यादव स्वर्ण पदक, लक्षित बोरदिया स्वर्ण पदक, राजवंश बघेल स्वर्ण पदक, तेजस देवड़ा रजत पदक, देवांश पटेल रजत पदक, अथर्व अग्रवाल रजत पदक, सम्राट चौरसिया रजत पदक, इशित वर्मा रजत पदक, उदित चौधरी रजत पदक,तक्षक निनामा कांस्य पदक, भव्य पाटीदार कांस्य

पदक, इंदौर पब्लिक स्कूल इंदौर से कुणाल इटावदिया स्वर्ण पदक एवं सक्षम फिटनेस फॉरएवर धार से तन्मय यादव स्वर्ण पदक, कार्तिक यादव स्वर्ण पदक, अनाया सक्सेना स्वर्ण पदक, अन्वय सक्सेना स्वर्ण पदक, विहान माइकल रजत पदक प्राप्त करके राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए चयनित हुए।

सीनियर वर्ग में इन्होंने जीते मेडल- जानकारी देते हुए जिला जीत कुनेडो संघ के सचिव राहुल बौरासी ने बताया कि सीनियर केटेगरी में आईजीएम कॉलेज धार के शिखा द्विवेदी स्वर्ण, तस्मिया खान स्वर्ण, सुम्मैया खान रजत, साइमा खान कांस्य, नलाशा खान कांस्य, सालचा खान कांस्य, सलमान वली कांस्य, मुहम्मद अली नवाज रजत, खूशनवाज खान कांस्य, अनुष्का कपड़नीस कांस्य, आलिया परवीन - कांस्य एवं शेख लैबा ने कांस्य पदक हासिल किया। संचालन शानू जयसवाल एवं तन्मय कुलश्रेष्ठ ने किया। निर्णायक की भूमिका तन्मय कुलश्रेष्ठ, प्रबल कुशवाह, सक्षम जाययसवाल, कुशल खड़से, अभिषेक सिंह ने निभाई। इनके अलावा कुलदीप कानपुरिया, सतलेश शर्मा, साहिल सोलंकी, सतीश शर्मा, स्वदेश शिशुलकार, अन्नपूर्णा सिकरवार, मंगल लॉट, कमल बोडाने, वंश वैष्णव, अभय, प्रियांशी आदि ने प्रतियोगिता को सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

मुस्लिम समुदाय ने ज्ञापन सौंपकर जामा मस्जिद कमेटी को बर्खास्त करने की मांग की

सुबह सवेरे सोहागपुर। मुस्लिम त्यौहार कमेटी अध्यक्ष वसीम खान एवं बुर्जुगों ने अनुविभागीय अधिकारी के नाम नायब तहसीलदार को जामा मस्जिद कमेटी सोहागपुर को बर्खास्त करने का ज्ञापन सौंपा ।वाबत। इस ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि जामा मस्जिद की कमेटी अपनी मन मर्जी से कमेटी चलाती है। सम्पूर्ण मुस्लिम समुदाय चाहता है कि इस कमेटी को बर्खास्त किया जाए । इसके साथ नई कमेटी का चुनाव कराया जाए। ताकि भविष्य में कोई वाद विवाद उत्पन्न न हो। जामा मस्जिद कमेटी अपनी मन मर्जी आलिमों पर चलाती है। वहीं उनको तन्खाह देने में बहुत परेशान करती है। इस मस्जिद की सालाना आमदनी लगभग 30 लाख रूपये है। मुस्लिम आवाम चाहता है ।कि इस कमेटी से कम से कम 40 साल का हिसाब लिया जाए। आपसे पुन: निवेदन है कि नवीन कमेटी का गठन किया जाए ।इस अवसर पर मुस्लिम त्योहार कमेटी अध्यक्ष वसीम खान, हलीयाश खान,अनीस खान, अबरार खान, मोहम्मद सईद सहित कई मुस्लिम समुदाय के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

हत्या का प्रयास

आरोपी को 7 साल सश्रम कारावास, साथ में 10 हजार रुपए का अर्थ दंड

सुबह सवेरे सोहागपुर। द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश सुरेशकुमार चौबे के न्यायालय ने समीपवर्ती ग्राम चारगांव के निवासी आरोपी को हत्या के प्रयास के आरोपी को 7साल सश्रम कारावास के साथ 10हजार रूपये के अर्थ दंड की सजा हुई है। अपर लोक अभियोजक शंकरलाल मालवीय ने बताया कि द्वितीय अपर सत्र के विद्वान न्यायाधीश सुरेशकुमार दुबे ने इंदरसिंह ठाकुर पिता सुरेश ठाकुर निवासी ग्राम चारगांव थाना सोहागपुर को भारतीय दंड विधान की धारा 307 में दोषी पाकर 7 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10 हजार रुपये अर्थ दंड से दंडित करने का निर्णय पारित किया है।अभियोजन के अनुसार थाना सोहागपुर में दिनांक दिसंबर 2021 को फरियादी रामगोपाल निवासी चारगांव गाय चराकर अपने घर शाम को करीबन 5 बजे आ रहा था। तभी राजेश ठाकुर के खेत के पास पहुंचा ।तब आरोपी ने जान से मारने की नियत से कुल्हाड़ी से सिर पर मारा । इससे फरियादी के सिर पर चोट आई थी । जिसकी की जानकारी अपने परिवार वालो को दी । बाद में सोहागपुर थाने आकर घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। विद्वान न्यायाधीश सुरेशकुमार दुबे ने फरियादी एवं अभियोजन पक्ष के साक्ष्य को प्रमाणित मानते हुए ।आरोप को दोष सिद्ध ठहराया। उक्त प्रकरण की विवेचना उप निरीक्षक धमेन्द्र वर्मा ने की थी।अभियोजन पक्ष की पैरवी अपर लोक अभियोजन शंकरलाल मालवीय ने की । आरोपी को पिपरिया जेल भेजा दिया गया।

संस्कृति और विरासत को सम्मान
तरक्की बनी हमारी पहचान

अमर बलिदानी रानी दुर्गावती को शत-शत नमन

वीरांगना रानी दुर्गावती के 500 वें जन्म जयंती वर्ष पर

उनकी राजधानी सिंग्रामपुर में नारी सशक्तिकरण और सम्मान को समर्पित

मंत्रिपरिषद बैठक का आयोजन

एवं

मुख्यमंत्री, डॉ. मोहन यादव

द्वारा

1.29 करोड़ लाड़ली बहनों को ₹1574 करोड़

55 लाख से अधिक हितग्राहियों को
₹ 332.71 करोड़ की सामाजिक सुरक्षा पेंशन

24 लाख से अधिक बहनों को ₹ 450 में
गैस रीफिल योजना के ₹ 28 करोड़ का अंतरण

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

5 अक्टूबर, 2024 । पूर्वाह्न 11:00 बजे । सिंग्रामपुर, जिला दमोह, मध्यप्रदेश

जनजातीय विकास के लिए प्रतिबद्ध प्रयास

- पीएम जन-मन योजना में विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल जिलों में शासकीय योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करते हुए ₹7300 करोड़ से आंगनवाड़ी केंद्र, छात्रावास, सड़क, पुल और आवास आदि का निर्माण
- बैगा, सहरिया और भारिया जनजाति की बटालियन बनाने के लिए शौर्य संकल्प योजना
- नेवी, आर्मी, एयरफोर्स, सी.आर.पी.एफ., सी.आई.एस.एफ., आई.टी.बी.पी., बी.एस.एफ. आदि में भर्ती हेतु प्रशिक्षण
- आकांक्षा योजना में जे.ई.ई., क्लैट, नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कोचिंग
- पी.एस.सी., सिविल सेवा, बैंक, एस.एस.सी. आदि के लिए परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण
- प्रत्येक वर्ष 50 अभ्यर्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति का लक्ष्य
- विशेष पिछड़ी जनजातीय जिलों में कौशल विकास केंद्र
- जनजातीय ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने के लिए पेसा नियम लागू, एक करोड़ से अधिक नागरिक लाभान्वित
- भगवान बिरसा मुंडा स्व-रोज़गार, टंट्या भील आर्थिक कल्याण योजना, विशेष वित्त पोषण परियोजना द्वारा स्व-रोज़गार ऋण
- 63 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, 82 आवासीय कन्या शिक्षा परिसर एवं बालकों हेतु 8 आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित
- तेंदूपत्ता संग्रहण पारिश्रमिक ₹3 हजार से बढ़कर हुआ ₹4 हजार
- प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना में चयनित 7307 गांवों में बुनियादी सुविधाओं का निर्माण
- विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, सहरिया और भारिया परिवारों की 2.14 लाख से अधिक महिला हितग्राहियों को पोषण आहार के लिए प्रतिमाह ₹1500 का आहार अनुदान
- सभी जनजातीय विकासखंडों में 'सिकल सेल उन्मूलन मिशन' लागू
- 'मुख्यमंत्री राशन आपके ग्राम' योजना में जनजातीय गांवों में सीधा पहुंच रहा राशन
- पारंपरिक जनजातीय शिल्पकलाओं को आजीविका से जोड़ने के लिए चयनित जनजातीय कला/उत्पादों की जी.आई. टैगिंग, गोंड पेंटिंग को जी.आई. टैग प्राप्त
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ₹170 करोड़ की लागत से खरगोन में क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय का शिलान्यास
- सागर में रानी अवंतीबाई लोधी विश्वविद्यालय की स्थापना का निर्णय
- नई शिक्षा नीति में वीरांगना रानी दुर्गावती और रानी अवंतीबाई लोधी की वीरगाथा को पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने का निर्णय
- छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय को राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय के रूप में मिली पहचान

D-11075/24

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @JansamparkMP JansamparkMP #Singrampur_MP

मध्यप्रदेश शासन